मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष चार मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 33 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 आजम के दरबार में क्यों पहुंचे अखिलेश

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रुप से 6

आईईडी विस्फोट में घायल सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल महेंद्र शहीद, दो जवानों का इलाज जारी, सर्च अभियान तेज

संवाददाता

रांची/ सिंहभूम : जिले के सरांडा जंगल में शुक्रवार शाम आईईडी विस्फोट हुआ था। नक्सलियों के द्वारा रची गई इस साजिश में सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल महेंद्र लस्कर घायल हो गए थे। उनका राउरकेला के एक अस्पताल में इलाच चल रहा था। जहां शनिवार को वो शहीद हो गए। घटना में दो अन्य सुरक्षा कर्मी एक इंस्पेक्टर और एक सहायक उप-निरीक्षक भी घायल हुए थे। इनका अभी इलाज चल रहा है। इस घटनाक्रम के बाद जवानों ने अपना सर्च अभियान घने जंगलों में तेज कर दिया है।

इनका अभी इलाज अस्पताल में जारी हैः पुलिस के अनुसार, इन विस्फोटों में इस्तेमाल आईईडी संभवतः प्रतिबंधित सीपीआई(माओवादी) ने लगाए थे, जो झारखंड में 8 अक्टूबर से प्रतिरोध सप्ताह मना रहा है। इस अवधि के दौरान माओवादी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। हेड कांस्टेबल महेंद्र लस्कर असम के निवासी थे। उनके साथ घायल हुए इंस्पेक्टर और सहायक उप-निरीक्षक का इलाज अस्पताल में जारी है।

संगठन ने 15 अक्तूबर को बंद की भी घोषणा कीः घटना शुक्रवार शाम बाबुदिह क्षेत्र, सरांडा जंगल, जाराइकेला थाना क्षेत्र में हुई थी, जब तीनों सीआरपीएफ कर्मी विस्फोट में घायल हो गए थे प्रतिबंधित माओवादी संगठन के प्रतिरोध सप्ताह के मद्देनजर झारखंड पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी है। संगठन ने 15 अक्तूबर को बंद की भी घोषणा की है।

युवक ने दोस्त की लंबी उम्र के लिए रखा करवाचौथ का व्रत, लहंगा पहन किया श्रृंगार

एजेंसी/भिण्डः पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं और ऐसा सदियों से चला आ रहा है, लेकिन दोस्ती का एक अनोखा वाकया सामने आया है, जिसमें एक युवक ने दोस्त की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखा और लहंगा पहन कर श्रृंगार भी किया। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले में एक अनोखी घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपने दोस्त की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखा। युवक ने न केवल महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार किया, बल्कि लहंगा पहनकर बाजार में पूजा सामग्री भी खरीदी। सदर बाजार में दुल्हन के लिबास में मोटरसाइकिल से निकले युवक को देखकर लोग हैरान रह गए। शुरू में लोगों को लगा कि कोई दुल्हन जा रही है, लेकिन पास जाकर पता चला कि वह युवक विनोद शर्मा है, जो अपने सबसे करीबी दोस्त गिरीश शर्मा की लंबी आयु के लिए करवाचौथ का व्रत कर रहा है। विनोद ने कहा कि उसने दोस्त की लंबी उम्र के लिए यह व्रत रखा है। वह पत्नी धर्म निभाते हुए पूजा-अर्चना करेगा और करवा से जल अर्पित करने के बाद व्रत तोड़ेगा। हालांकि इस घटना को लेकर कुछ लोगों ने इसकी आलोचना भी की है। विनोद शर्मा का कहना है कि दोस्ती या प्यार में कोई जेंडर या नियम नहीं होता। यह व्रत मेरे दोस्त के प्रति मेरी सच्ची भावना और समर्पण का प्रतीक है। लहंगा पहनना और छलनी से उसका चेहरा देखना मेरे लिए भावनात्मक पल है। यह पूरा आइडिया गिरीश का ही था, ताकि इस दोस्ती को हमेशा यादगार बनाया जा सके।

दिल्ली में तालिबान नेता की प्रेसवार्ता में महिला पत्रकारों को नहीं मिली इजाजत, मचा राजनीतिक बवाल

नई दिल्लीः अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने नयी दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जो बातें कहीं उससे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि तालिबान नेताओं की प्रेस वार्ता में एक भी महिला पत्रकार को प्रवेश नहीं दिया गया। हम आपको बता दें कि यह प्रेसवार्ता मुत्तकी की भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ विस्तृत बातचीत के कुछ घंटों बाद आयोजित हुई थी। सूत्रों के अनुसार, पत्रकारों को आमंत्रित करने का निर्णय तालिबान अधिकारियों ने स्वयं लिया था। भारत की ओर से सुझाव दिया गया था कि महिला पत्रकारों को भी शामिल किया जाए, लेकिन यह अनुशंसा स्वीकार नहीं की गई। इस घटनाक्रम पर देश के राजनीतिक हलकों में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया है कि क्या भारत में तालिबान मंत्री को महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देना भारतीय महिलाओं का अपमान नहीं है? उन्होंने कहा, अगर महिलाओं के अधिकारों की स्वीकृति केवल चुनावी दिखावा नहीं है, तो यह अपमान कैसे स्वीकार किया गया? वहीं पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने भी कहा कि पुरुष पत्रकारों को उस सम्मेलन से बाहर निकल जाना चाहिए था।तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने इसे भारतीय महिलाओं के सम्मान पर चोट बताया। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि प्रेसवार्ता में भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। वहीं मुत्तकी ने महिलाओं के अधिकारों पर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा, हर देश के अपने रीति-रिवाज और कानून होते हैं, जिनका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि तालिबान शासन में अफगानिस्तान में शांति लौटी है और देश की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। देखा जाये तो राजधानी दिल्ली में एक विदेशी मंत्री की प्रेसवार्ता, जिसमें महिला पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिया, केवल अफगानिस्तान की वास्तविकता का नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक संवेदनशीलता और नैतिक स्थिति का भी प्रतिबिंब बन गया है। जिस देश में महिला पत्रकारिता की सशक्त परंपरा रही है, वहाँ तालिबान जैसे शासन की इस सोच को राजनयिक शिष्टाचार के नाम पर स्वीकार करना भारतीय समाज के लिए असहज करने वाला संदेश है। तालिबान शासन के बारे में दुनिया जानती है कि वहाँ महिलाओं को स्कूल, विश्वविद्यालय और कार्यस्थल से दूर रखा जाता है। सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी लगभग समाप्त कर दी गई है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र से लेकर इस्लामी देशों तक ने तालिबान की नीति की आलोचना की है। लेकिन जब वही नीति भारत की राजधानी में आचरण में दिखाई दे, तो सवाल केवल अफगानिस्तान का नहीं, भारत की चुप्पी का भी बन जाता है।

पहली पत्नी के होते हुए दूसरी शादी करने वाले मुस्लिम शख्स को झटका, हाईकोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

स्पेशल मैरेज एक्ट कानून सर्वोपरि

संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत शादी करता है, तो उस पर किसी भी व्यक्तिगत या धार्मिक कानून के बजाय स्पेशल मैरेज एक्ट कानून सर्वोपरि होगा। अदालत ने पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने वाले धनबाद के एक पैथोलॉजिस्ट की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने इस्लामिक कानून के तहत चार शादियों को वैध बताते हुए अपने दूसरे विवाह को सही ठहराने की कोशिश की थी।

यह मामला धनबाद के रहने वाले पैथोलॉजिस्ट मोहम्मद अकील आलम से जुड़ा है। आलम ने 4 अगस्त, 2015 को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत दूसरी शादी की थी। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही उसकी दूसरी पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके देवघर चली गई। इसके बाद अकील ने देवघर की फैमिली कोर्ट में पत्नी को वापस बुलाने के लिए वैवाहिक अधिकारों की बहाली की याचिका दायर की।

सुनवाई के दौरान पत्नी ने अदालत को बताया कि अकील आलम पहले से ही शादीशुदा था और उसकी पहली पत्नी से दो बेटियां भी हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि अकील ने शादी के समय यह जानकारी छिपाई थी और उस पर अपने पिता से जायदाद नाम कराने का दबाव बनाया। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट भी की गई।

फैमिली कोर्ट में अकील ने खुद यह स्वीकार किया कि दूसरी शादी के वक्त उसकी पहली पत्नी जीवित थी। अदालत ने पाया कि उसने शादी के रजिस्ट्रेशन के समय यह तथ्य जानबूझकर छिपाया था। दिलचस्प बात यह है कि पहले अकील ने मेंटेनेंस (भरण-पोषण) से बचने के लिए अपनी दूसरी शादी को अवैध बताया था, लेकिन बाद में इसी शादी को वैध बताकर पत्नी को वापस बुलाने की मांग करने लगा।

फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ अकील ने झारखंड हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस राजेश कुमार की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट की धारा 4(ए) स्पष्ट रूप से कहती है कि विवाह के समय किसी भी पक्ष का कोई जीवनसाथी (पति या पत्नी) जीवित नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, यह एक्ट एक नॉन ऑब्स्टांटे क्लॉज के साथ शुरू होता है, जिसका अर्थ है कि स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधान किसी भी अन्य कानून, चाहे वह धार्मिक ही क्यों न हो, पर वरीयता रखेंगे। हाई कोर्ट ने अकील की याचिका को खारिज करते हुए उसे बड़ा झटका दिया है।

इंटेलिजेंस की बड़ी कार्रवाई

आईएसआई का जासूस गिरफ्तार, दो साल से लीक कर रहा था सेना की गोपनीय जानकारी

नई दिल्ली : राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में अलवर निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविंदगढ़, अलवर निवासी **मंगत सिंह** के रूप में हुई है। उस पर *शासकीय गोपनीयता अधिनियम, 1923* के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मंगत सिंह पर *ऑपरेशन सिंदूर* के बाद से ही खुफिया एजेंसियों की नजर थी। अलवर का क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है, और इसी इलाके में निगरानी के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं।

हनीट्रैप में फंसाकर करवा रहा था जासूसीः जांच में सामने आया है कि मंगत सिंह को पाकिस्तानी महिला हैंडलर *ईशा शर्मा* ने सोशल मीडिया के माध्यम से हनीट्रैप में फंसा लिया था। उसने पैसे और उपहारों के लालच में आईएसआई को देश की सामरिक जानकारी भेजनी शुरू कर दी थी। बताया जा रहा है कि वह पिछले दो वर्षों से पाकिस्तानी एजेंटों के संपर्क में था। सोशल मीडिया से साझा करता था गुप्त जानकारीः मंगत सिंह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए अलवर की छावनी क्षेत्र सहित देश के अन्य महत्वपूर्ण सैन्य और सामरिक स्थलों की सूचनाएं साझा कर रहा था। उसके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच में कई संदिग्ध चैट और दस्तावेज मिलने की बात सामने आई है।

10 अक्टूबर को दर्ज हुआ मुकदमा : केंद्रीय पूछताछ केंद्र, जयपुर में विभिन्न खुफिया एजेंसियों द्वारा पूछताछ और डिजिटल सबूतों की जांच के बाद, 10 अक्टूबर 2025 को जयपुर स्थित स्पेशल पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद *सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान* ने उसे गिरफ्तार कर लिया। राजस्थान इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक पूछताछ में मंगत सिंह ने स्वीकार किया है कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान की महिला एजेंट से संपर्क में था और पैसे के बदले संवेदनशील सूचनाएं साझा करता था।

'हवा में उड़ रहे विमान की विंडशील्ड में आई दरार, फ्लाइट की हुई सुरक्षित लैंडिंग, 76 यात्री थे सवार

चेन्नई : एक निजी एयरलाइन के विमान की विंडशील्ड उड़ान के दौरान अचानक टूट गई, लेकिन पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। विमान में कुल 76 यात्री सवार थे। यह विमान शनिवार को मदुरई एयरपोर्ट से उड़ा था। लैंडिंग से ठीक पहले पायलट ने देखा कि कॉकपिट की सामने वाली विंडशील्ड पर दरार आ गई है। उन्होंने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने जरूरी कदम उठाए और विमान को सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतारा गया। लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विमान की जांच के बाद विंडशील्ड को बदला गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विंडशील्ड में दरार आने की वजह क्या थी। इस घटना के बाद विमान की मदुरई वापसी उड़ान रद्द कर दी गई है। विमानन प्राधिकरण ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी ने किसानों को दी हजारों करोड़ की सौगात, बोले-

पिछली सरकारों ने खेती को उसके हाल पर छोड़ा

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के किसानों को बड़ी सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए करीब 35,440 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं की शुरूआत की। इसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये की 'धन धान्य कृषि योजना' की भी शुरूआत की गई। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विशेष कृषि योजना में शिरकत की। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश की जयंती के अवसर पर जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र को हजारों करोड़ की सौगातः प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरूआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपये की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरूआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

मतस्य पालन योजना और फूड

प्रोसेसिंग उद्योग पर भी फोकसः पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पहले पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की। 'पिछली सरकारों ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया':कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा। भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख, ये दोनों महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे, लोकतांत्रिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। आज इस ऐतिहासिक दिन पर देश की आत्मनिर्भरता और किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण नई योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है।' उन्होंने कहा 'खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यह जरूरी है कि सरकार बदलते समय के साथ कृषि और खेती को समर्थन देती रहे। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने कृषि को अपने हाल पर छोड़ दिया। सरकार के पास कृषि के लिए कोई दूरदर्शिता या दृष्टिकोण का अभाव था, जिसके कारण भारत की कृषि प्रणाली लगातार कमजोर होती गई। हमने कृषि के प्रति पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदल दिया है।'

पीएम मोदी ने कहा कि 'आज दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का भी शुभारंभ हुई है। यह केवल दलहन उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने का भी मिशन है। हाल के वर्षों में, भारतीय किसानों ने रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हासिल किया है। आज देश बड़ी मात्रा में दालों का आयात करता है, इसलिए दलहन आत्मनिर्भरता मिशन आवश्यक है।

लोहरदगा मे तिहरे हत्याकांड के बाद झालसा सख्त

न्यायपालिका व पुलिस प्रशासन को कार्रवाई का दिया आदेश

संवाददाता

,4,लीड

रांची: झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष और झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने बीते शुक्रवार को लोहरदगा जिला न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन को कथित रूप से जादू-टोना करने के आरोप में एक परिवार के तीन सदस्यों की हत्या से संबंधित मामले में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति प्रसाद ने लोहरदगा के प्रधान जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि वे पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर हत्याओं में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। बता दें कि ये हत्याएं आठ अक्टूबर को पेशरार थाना क्षेत्र के केकरांग बरटोली गांव में हुई थी। निर्देश पर कार्रवाई करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों की एक टीम गठित की, जिसने गांव का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार को 20,000 रुपये का अंतरिम मुआवजा चेक सौंपा। न्यायमूर्ति प्रसाद ने लोहरदगा जिला न्यायाधीश को व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और डायन-बिसाही के खिलाफ घर-घर अभियान शुरू करने का भी निर्देश दिया।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान लक्ष्मण नागेसिया, उनकी पत्नी बिफनी और उनके बेटे रामविलास के रूप में हुई है, जिनकी कथित तौर पर जादू-टोना करने के आरोप में बदमाशों ने हत्या कर दी। घटना में जीवित बची एकमात्र महिला, लक्ष्मण की बहू सुखमणि ने पुलिस को मामले की सूचना दी। सुखमणि ने पुलिस को बताया कि उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया था और कुछ ग्रामीण कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से लैस होकर जबरन उनके घर में घुस आए थे।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले डायन-बिसाही के शक में गांव के ही लोगों ने एक परिवार के पति, पत्नी और 9 वर्षीय बच्चे की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस जघन्य वारदात ने झारखंड में अंधविश्वास की गहरी जड़ों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि पीड़ित परिवार को न्याय जल्द मिलेगा। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की है और गांव में लगातार छापेमारी की जा रही है।

उपायुक्त ने किया पंचायत स्तर के शिविर का औचक निरीक्षण

लाभुकों से संवाद कर शिविर में उपलब्ध सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली

संवाददाता

चतरा: जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र लाभुकों को जोड़ने की दिशा में चल रहे शिविरों के प्रभावी संचालन की समीक्षा को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त कीर्तिश्री शुक्रवार को औचक निरीक्षण पर निकलीं। इस क्रम में उन्होंने चतरा सदर प्रखंड क्षेत्र के पंचायत सचिवालय देवरिया में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस शिविर के माध्यम से कृषि सहित अनुषंगी विभागों की विभिन्न योजनाओं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जन्म प्रमाण पत्र निर्गमन तथा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना से संबंधित ऑनलाईन आवेदन सृजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने लाभुकों से संवाद कर शिविर में उपलब्ध सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक लाभुक को योजनाओं की संपूर्ण जानकारी और समयबद्ध सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए।

उन्होंने शिविर की व्यवस्था, पंजीकरण की प्रक्रिया, तकनीकी सहयोग और कर्मियों की तैनाती की भी गहन समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि शिविरों के माध्यम से सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें कि वार्ड और पंचायत स्तरीय इन शिविरों का आयोजन नगर परिषद क्षेत्र में 9 से 18 अक्टूबर 2025 तक और सभी प्रखंडों में 6 से 18 अक्टूबर 2025 तक रोस्टर के अनुसार किया जा रहा है।शिविरों की प्रभावशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त प्रतिदिन संध्या 7 बजे संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ प्राप्त एवं निष्पादित आवेदनों की समीक्षा स्वयं करती हैं, ताकि किसी भी आवेदन के निष्पादन में विलंब न हो और लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।उपायुक्त ने आमजन से अधिकाधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की तथा अधिकारियों को शिविर की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

सीसीएल के जन आरोग्य केंद्र, गांधीनगर का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रांची: राजधानी रांची के गांधीनगर कॉलोनी में सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 119 लोगों की निःशुल्क जांच की गई और डॉक्टरी सलाह दी गई। शिविर में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर और हाइपरटेंशन का निःशुल्क जाँच किया गया और सभी को निःशुल्क दवा भी दिया गया । ज्ञात हो की सीसीएल द्वारा अपने हितधारकों तथा समाज के सभी जरूरतमंदों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ प्रीति तिग्गा सीएमओ, सीएसआर, इंचार्ज, डॉ अनिता होरो, डॉ अनिता कुमारी, डॉ। नीलू कुमारी, डॉ अम्बरीश, डॉ शिल्पी झा, डॉ आशिमा, डॉ पायल, डॉ बेंजीमन, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

एके 47 की तस्वीर लगाकर दौड़ा रहा था बाइक, पुलिस ने हिदायत देकर छोड़ा

चतरा: जिले के बिहार के सीमावर्ती हंटरगंज थाना गेट के समीप एंटी क्राइम को लेकर चतरा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हंटरगंज थाना पुलिस ने शुक्रवार दोपहर वाहन चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई।वहीं इस कार्रवाई के दौरान एक मामला सामने आया है, जिसमें बाइक चालक अपने बाइक पर माफिया लिखा था। इतना तक तो ठीक था लेकिन हद तो तब हो गई जब चालक अपनी बाइक पर एके 47 की तस्वीर लगाकर बाइक को दौड़ा रहा था। वाहन जांच में लगे सब इंस्पेक्टर दिलीप यादव ने उसे पकड़ लिया। और किया था कागजात मांगनी शुरू कर दी। हालांकि इस दौरान चालक ने पुलिस के समक्ष ना तो कागजात दिखाई ना ही हेलमेट पहना था।

नशामुक्त समाज का निर्माण

अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चलाया जा रहा है सशक्त पूर्व खेती अभियान

चतरा: अवैध अफीम की खेती पर नकेल कसने और जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन चतरा द्वारा दिनांक 03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक विशेष पूर्व खेती अभियान चलाया जा रहा है। इस व्यापक अभियान के तहत अफीम की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक स्तर पर संगठित तरीके से जन-जागरूकता की मुहिम चलाई जा रही है, ताकि आगामी फसली वर्ष में इस अवैध खेती को पूरी तरह रोका जा सके।इस अभियान के तहत ग्रामीणों को (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट) सहित अन्य कानूनी एवं दाण्डिक प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। लोगों को बताया जा रहा है कि अफीम की अवैध खेती न केवल एक गंभीर अपराध है बल्कि यह समाज के स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को गहराई से प्रभावित करता है। नशे की लत व्यक्ति, परिवार और समाज को खोखला कर देती है, इसी वजह से प्रशासन ने इसे रोकने के लिए जन-जागरूकता को हथियार बनाया है। उपायुक्त के निदेर्शानुसार और जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी चतरा शकील अहमद के आदेशानुसार पूरे जिले में यह अभियान रोस्टर के अनुसार चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक, गीत-नाट्य, पंपलेट, बैनर और जन संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और गीत नाट्य की शुरूआत 8 अक्टूबर से की गई, जिसके तहत कुन्दा, गिद्धौर और कान्हाचट्टी प्रखंडों में नुक्कड़ नाटकों के जरिए लोगों को अवैध अफीम की खेती के कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कुन्दा प्रखंड के ककहिया, कुसुम्हा, सरजामातु और लपूगढ़ा जैसे ग्रामों में हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गिद्धौर प्रखंड के मंझगावा, गिद्धौर, सलगा, पहरा और बारीयातु पंचायतों में भी जनजागरूकता अभियान का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कान्हाचट्टी प्रखंड के पथेल, केन्दुआ सहोर, डुमरिया और कोटाप ग्रामों में भी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इसी क्रम में प्रतापपुर प्रखंड में 9 अक्टूबर से अभियान की शुरूआत की गई। योगिडीह पंचायत के महकमपुर और योगिडीह ग्रामों में कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कानूनी जानकारी के साथ वैकल्पिक खेती के विकल्पों से भी अवगत कराया गया। अगले चरण में चंद्रीगोविन्दपुर, घोड़दौड़, सिजुआ और मोनिया पंचायतों में 10 से 14 अक्टूबर तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तेहार, ढोल बजाकर दी चेतावनी

परिजनों को दी आरोपी को न्यायालय में आत्मसर्पण करने की सलाह

चतरा: न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त के घर शुक्रवार को इश्तेहार चिपकाया हैं। चतरा जिला वशिष्ठ थाना पुलिस सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में प्राथमिक अभियुक्त चतरा जिला के प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौकाडीह निवासी खेमन गंझू के पुत्र डब्लू गंझू के घर पहुंचकर न्यायालय के आदेश पर उनके घर में जाकर दीवार पर इश्तेहार चिपकाया। इस दौरान ग्रामीणों के समक्ष दौरान ढोल बजवाकर गांव के लोगों को सूचित किया गया और फरार अभियुक्त को शीघ्र न्यायालय में समर्पण करने की चेतावनी दी गई। पुलिस सब इंस्पेक्टर ने उनके परिजनों को बताया कि उक्त अभियुक्त को न्यायालय में एक माह के अंदर सरेंडर करना है। ऐसा नहीं करने पर उनके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए कुर्की जब्ती की जाएगी । बताते चले कि यह अभियुक्त के विरुद्ध वशिष्ठ नगर थाना कांड संख्या 71/2021 धारा420,412,34 और आईपीएस 25(1- बी) 26,35 एनडीपीएस एक्ट दर्ज है तीन वर्ष से ऊपर से फरार चल रहे है। मौके पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आमजन को किया गया जागरूक

संवाददाता

चतरा: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम आपातकाल में मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक करना तथा आपदाओं एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर बल देना रहा। इस अवसर पर सदर अस्पताल में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश,सिविल सर्जन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, प्राचार्य चतरा कॉलेज एवं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक, जिला एनसीडी कार्यालय के स्वास्थ्य कर्मी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जिसे सिविल सर्जन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।अपने संबोधन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शंभू लाल साव ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अक्सर ग्रामीण एवं शहरी समाज में मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित व्यक्तियों को असामान्य व्यवहार के आधार पर अलग-अलग नामों से संबोधित किया जाता है, जिससे उनकी स्थिति और गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी रोगों का प्रभावी इलाज संभव है। साथ ही फ्रंटलाइन वर्कर्स को बच्चों एवं वयस्कों में मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सिविल सर्जन डॉ। जगदीश प्रसाद ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समर्थन को सशक्त बनाने के लिए मनाया जाता है।उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज संभव है, बस जरूरत है समय पर मदद लेने की। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए संचालित 247 टोल फ्री हेल्पलाइन (14416 या 1800-891-4416) का भी उल्लेख किया और लोगों को इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की। डीएलएसए सचिव तारकेश्वर दास ने कहा कि मानसिक रोगों से पीड़ित व्यक्ति अक्सर अपनी समस्या को दूसरों से साझा नहीं करते, जिससे बीमारी बढ़ती जाती है। उन्होंने आमजन से अपील किया कि यदि आसपास कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति मिले तो उसकी जानकारी जिला अस्पताल या डीएलएसए को दें, ताकि उसका निःशुल्क उपचार कराया जा सके। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य में परिवार और समाज की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।प्राचार्य डॉ। मुकेश कुमार झा ने योग को मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए कहा कि योग, ध्यान और सकारात्मक सोच मानसिक तनाव को कम करने के प्रभावी साधन हैं। उन्होंने युवाओं को नशे और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह दी। उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने अवसाद, फोबिया, नशे की लत सहित मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न बीमारियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक हस्तक्षेप और निरंतर देखभाल से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने लोगों से डॉक्टरों और परामर्शदाताओं से समय पर संपर्क करने की अपील की।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक संगीता लूसी बारला इक्का, डैम रविंद्र कुमार, जिला कार्यक्रम सहायक हरिशंकर, एनटीसीपी कंसल्टेंट रश्मि दुबे, फिजियोथेरेपिस्ट आशीष पाठक सहित स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और यह संदेश देना था कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। प्रशासन ने आमजन से अपील किया कि किसी भी मानसिक स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज न करें और समय पर मदद लें, क्योंकि समय पर हस्तक्षेप ही स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव है।

दीपावली-छठ महापर्व के दौरान सुरक्षित माहौल को लेकर हाई लेवल मीटिंग 13 को

डीजीपी ने सभी जिलों के एसपी को दिया निर्देश

संवाददाता

रांची: आगामी दीपावली और छठ महापर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकथाम को लेकर 13 अक्टूबर को शाम 4 बजे डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विशेष अनुरोध पर राज्य में त्यौहार के दौरान शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रखी गई है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश दिया है कि वे बैठक से पहले अपने-अपने जिले के चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों से मिलें और उनकी समस्याओं, सुझावों और चिंताओं को जानकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रस्तुत करें। यदि किसी जिले के एसपी अपरिहार्य कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो वे अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर भेज सकते हैं। यह पहल पुलिस और व्यापार समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है, जिससे त्यौहार के दौरान आम जनता और व्यापारियों दोनों के लिए सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में पुलिस की रणनीतियों, अपराध नियंत्रण के उपायों और व्यापारिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर चर्चा होगी। इस दौरान विशेष तौर पर चोरी-छिपे शराब, डकैती और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही, व्यापारियों की चिंताओं को भी ध्यान में रखकर पुलिस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार किया जाएगा। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने इस बैठक को लेकर खुशी जताई है और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए राज्य पुलिस के समन्वय प्रयासों को सराहा है।

सुरक्षा कारणों से सुनील मीणा को अब जमशेदपुर जेल में किया जायेगा शिफ्ट

रांची: लॉरेंस बिश्नोई और अमन साहू गैंग से जुड़े सुनील मीणा को अब जमशेदपुर जेल में शिफ्ट किया जाएगा। सुनील मीणा को अब सुरक्षा कारणों से जमशेदपुर की घाघीडीह सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा। फिलहाल मयंक सिंह रामगढ़ जेल में बंद है, लेकिन जेल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उसे वहां रखना जोखिम भरा माना। इसे देखते हुए जेल प्रशासन ने जमशेदपुर के अति सुरक्षित केंद्रीय कारागार में शिफ्ट करने की सिफारिश की थी। जेल आईजी ने इस सिफारिश को मानते हुए तत्काल प्रभाव से मयंक को घाघीडीह जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

विदेश से प्रत्यर्पित होने वाला झारखंड का पहला अपराधी

बता दें कि मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा को अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर झारखंड लाया गया था। वह विदेश से गिरफ्तार होने वाला झारखंड का पहला अपराधी है, जिसकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रत्यर्पण के बाद उसे रामगढ़ जेल में रखा गया था।

जबरन वसूली के कई मामले दर्ज : मयंक सिंह पर हजारीबाग जिले के बड़कागांव और उरीमारी थाना क्षेत्रों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इन मामलों में बड़कागांव थाना कांड संख्या 198/21, 252/21, 256/21, 287/23, 208/23, उरीमारी ओपी कांड संख्या 196/21, और डाड़ीकला ओपी कांड संख्या 182/23 शामिल हैं।

इन सभी मामलों में भारतीय दंड संहिता की धारा 385 और 387 (जबरन वसूली) के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अब इन सभी मामलों में आगे की जांच में जुटी हुई है।

रांची : इंस्पेक्टर पूनम कुजूर बनी चुटिया थाना प्रभारी , पदभार किया ग्रहण ।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

शुद्धि–पत्र

पी०आर० सं०–362876 Minor Irrigation(25-26).D के द्वारा प्रकाशित इस कार्यालय का ई. निविदा आमंत्रण सूचना सं०–MID/GUMLA/F$_2$-13/2025-26 दिनांक– 24.09.2025 में अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार तिथि संशोधित किया जाता है:–

1.	Date of Publication of E -Tender on website	13.10.2025 at 2.00 PM
2.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	25.10.2025 up to 5:00 PM
3.	Last Date for online Submission of Tender fee and EMD	e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 25.10.2025 up to 5:00 pm
4.	Date of Opening Tender	29.10.2025 at 2:00 PM

निविदा सूचना की शेष शर्त्ते यथावत रहेगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला

PR 363870 (Minor Irrigation)25-26*D

घाटशिला उपचुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट

पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

संवाददाता

रांची: 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सुरक्षा प्रबंधों को अंतिम रूप देने में पुलिस सक्रिय हो गई है।इस कड़ी में आईजी अभियान ने बीते शुक्रवार को रांची स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में पश्चिम बंगाल और ओडिशा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक अहम समीक्षा बैठक की। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में चुनाव से पहले सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत बनाना था। बैठक में तीनों राज्यों के बीच अंतरराज्यीय समन्वय को बढ़ावा देने और संयुक्त कार्रवाई पर जोर दिया गया। विशेष रूप से अवैध शराब, मादक पदार्थों, अवैध हथियारों और अवैध धन की आवाजाही को रोकने की रूपरेखा पर चर्चा हुई। इसके लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में मिरर चेक पोस्ट स्थापित करने और उनकी सक्रियता बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

घाटशिला निर्वाचन क्षेत्र के आसपास के जिलों जैसे पश्चिम बंगाल के झारग्राम और पुरुलिया तथा ओडिशा के मयूरभंज में विशेष मिरर चेक पोस्ट बनाए जाएंगे और उन्हें चौबीसों घंटे सक्रिय रखा जाएगा। यह कदम न सिर्फ अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा, बल्कि सीमा पार से अपराधियों और नक्सलियों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखने में सहायक होगा। बैठक में अंतरराज्यीय वांछित अपराधियों, वारंटियों और हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई करने और खुफिया जानकारी साझा करने पर भी सहमति बनी। इससे प्रभावी और तेज पुलिसिया कार्रवाई सुनिश्चित होगी और संगठित अपराधियों की सक्रियता को कम करने में मदद मिलेगी। इन सभी तैयारियों का उद्देश्य उपचुनाव के दौरान एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और स्वतंत्र मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करना है, ताकि सभी मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

गुंजन सिंह के हाथों में फिर से झारखंड महिला कांग्रेस की कमान

अलका लांबा ने नई प्रदेश कार्यकारिणी और 10 नए जिलाध्यक्षों का नाम किया जारी

संवाददाता

रांची: अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की नई प्रदेश कार्यकारिणी और महिला कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। अलका लांबा ने तत्काल प्रभाव से पूर्व की झारखंड राज्य कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की वर्तमान नियुक्ति को भंग करते हुए देर रात नई प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्ष के नामों की घोषणा कर दी। यह कमेटी तत्काल प्रभाव से लागू है।

झारखंड महिला कांग्रेस की कमान फिर से एक बार गुंजन सिंह को ही सौंपी गई है। नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अलावा दो वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 11 महासचिव, 07 सचिव एवं 10 जिलाध्यक्ष का नाम शामिल है। नई प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकारिणी गठन के बाद अपने संदेश में अलका लांबा ने कहा कि इससे संगठन और अधिक सुदृढ़ एवं सक्रिय होगा।

झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष गुंजन सिंह की अध्यक्षता में 11 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस भवन रांची में नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी समिति एवं जिला अध्यक्षों की एक बैठक आहूत की गई है। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की फिर से कमान मिलने से उत्साहित गुंजन सिंह ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के विश्वास पर वह और मजबूती से खरा उतरने की कोशिश करेंगी।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा
सर्किट हाउस सिमडेगा के पीछे, सिमडेगा,
ई–मेल– simdegafisheriesdfo@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 1321, दिनांक– 31.07.2025 के आलोक में भारत सरकार द्वारा Fisheries and Aquaculture Infrastructure Development Fund (FIDF) योजना वित्तीय वर्ष– 2025–26 के लिए विस्तारित किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य मात्स्यिकी विकास कार्यों के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाना है। इस योजना अंतर्गत Fish Landing Centres, Cage Culture, Ice Plants, Cold Storages, Fish Transport and Cold Chain Network, Modern Fish Markets, Brood Banks, Hatcheries, Fish Training Centres, Fish Processing Units, Fish Feed Mills, Pearl Culture अथवा अन्य Innovative Projects निवेश/ऋण के योग्य हैं। मत्स्य सहकारी फेडरेशन, सहकारी समितियों, मत्स्य कृषकों के सामूहिक समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, SHGs, NGOs, SCs/STs /सीमांत कृशकों/ महिलाओं/ निजी कंपनी/ व्यवसायियों/ Enterpreneurs, दिव्यांगों के साथ–साथ अन्य संस्थान अथवा इकाई जिनका चयन सरकार द्वारा किया गया हो, FIDF के तहत् ऋण के पात्र हैं। सभी परियोजनाओं प्रस्तावों के लिए FIDF के अंतर्गत कुल परियोजना लागत का 80% तक ऋण तथा लाभुक अंशदान कम से कम 20% Margin Money के रूप में होगा। FIDF हेतु NABARD, NCDC तथा सभी Scheduled बैंकों को Nodal Loaning Entities (NLEs) बनाया गया है। ऋण की वापसी हेतु अधिकतम 12 वर्श का समय दिया गया है जिसमें मूलधन के पुनर्भुगतान पर 02 वर्षों का Moratorium Period है। साथ ही आधारभूत संरचना विकास के प्रस्तावों पर 03% वार्षिक दर पर Interest Subvention है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 363807 Simdega(25-26)#D

दिवाली-छठ पर रांची से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता

रांची: त्योहारों के सीजन में झारखंड की राजधानी रांची से यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने दिवाली और छठ पर्व के दौरान विशेष ट्रेनों का विस्तृत संचालन किया है। ये ट्रेनें रांची से देश के विभिन्न महत्वपूर्ण और धार्मिक स्थलों के लिए चलाई जा रही हैं, ताकि पर्वों के दौरान लोगों को यात्रा में किसी भी तरह की असुविधा न हो।

इस बार कुल सात विशेष स्पेशल ट्रेनों का प्रबंध किया गया है, जो अलग-अलग तिथियों और स्थलों पर नियमित रूप से चलेंगी। सबसे पहले अजमेर-रांची पूजा, दिवाली एवं छठ स्पेशल (09619/09620) ट्रेन 28 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक हर रविवार को चलेगी। इसके अलावा रांची से आनंद विहार टर्मिनल के लिए साप्ताहिक दिवाली/छठ स्पेशल (02877/02878) 17 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक शुक्रवार को और आनंद विहार से 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रविवार को चलेगी। रांची से आरा के लिए भी साप्ताहिक विशेष ट्रेन (08640/08639) 28 सितंबर से 2 नवंबर तक रविवार को, जबकि आरा से 29 सितंबर से 3 नवंबर तक सोमवार को चलेगी। जयनगर के लिए साप्ताहिक दिवाली-छठ स्पेशल (08105/08106) ट्रेन 18 अक्टूबर से 1 नवंबर तक शनिवार को और जयनगर से 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रविवार को चलेगी। पूर्णिया कोर्ट साप्ताहिक विशेष ट्रेन (08626/08625) रांची से 17 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक शुक्रवार को, तथा पूर्णिया कोर्ट से 18 अक्टूबर से 1 नवंबर तक शनिवार को चलेगी।

कामाख्या के लिए भी पूजा, दिवाली और छठ विशेष ट्रेन (08621/08622) 27 सितंबर से 1 नवंबर तक शनिवार को और वहां से 29 सितंबर से 3 नवंबर तक सोमवार को चलाई जाएगी। गोरखपुर के लिए साप्ताहिक दिवाली-छठ स्पेशल (08629/08630) ट्रेन रांची से 18 अक्टूबर से 1 नवंबर तक शनिवार को और गोरखपुर से 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रविवार को चलेगी। रेल प्रशासन ने बताया कि इन ट्रेनों में सामान्य, स्लीपर और एसी कोच उपलब्ध होंगे, जिससे हर तरह के यात्री आराम से यात्रा कर सकेंगे। त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए इस बार यह कदम उठाया गया है।

युवक के साथ हाजत में मारपीट मामले में अरगोड़ा थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद सस्पेंड

संवाददाता

रांची: झारखंड में रांची के अरगोड़ा थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद को जोनल आईजी मनोज कौशिक ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई उस गंभीर मामले के बाद की गई है, जिसमें एक युवक को थाना की हाजत में बंद करके मारपीट करने का आरोप लगा था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इससे पहले इस मामले में एसएसपी ने एक सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया था। वहीं, इस मामले को और गंभीरता से देखते हुए जोनल आईजी को थाना प्रभारी के खिलाफ रिपोर्ट भेजी गई थी। रिपोर्ट की जांच के बाद जोनल आईजी मनोज कौशिक ने थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद को सस्पेंड करने का निर्णय लिया। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी भी नागरिक के साथ अनुचित व्यवहार न हो।

समेकित जनजाति विकास अभिकरण, राँची।
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग, कल्याण विभाग)
(ब्लॉक-बी, कमरा संख्या-413, ईमेल- itda-ranchi@jharkhandmail.gov.in):0651-2209737

ज्ञापांक–................/ITDA दिनांक–...................................

निलामी सूचना

एतद अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा राँची जिला में संचालित आवासीय विद्यालयों की रद्दी सामग्री (बर्तन, उपस्कर आदि) की निलामी हेतु शर्तों के साथ दिनांक–04.11.2025 को 2.30 बजे निलामी की तिथि निर्धारित की जाती है। निलामी में संबंधित सामग्री की दर की बोली लगाई जायेगी, तथा अधिकतम बोली लगाने वाले डाकवक्ता का चयन किया जायेगा।

निलामी हेतु शर्तें एवं आवासीय विद्यालय की विवरणी www.prd.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

परियोजना निदेशक
समेकित जनजाति विकास अभिकरण
राँची।

PR.NO.363847 Welfare(25-26):D

फर्जी दवाओं पर सख्त कार्रवाई , पूरे राज्य में अभियान शुरू

स्वास्थ्य मंत्री ने किया मेडिकल दुकान का निरीक्षण

संवाददाता

रांची: स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रांची के शहीद अलबर्ट एक्का चौक स्थित जय हिंद फार्मा मेडिकल दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान में उपलब्ध सभी कंपनियों के कफ सिरप के नमूने लिए गए और उन्हें राज्य ड्रग्स निदेशक को भेजकर गुणवत्ता जांच के आदेश दिए गए।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को सुरक्षित, गुणवत्ता युक्त और मानक के अनुरूप दवाएं मिलें। इसी लक्ष्य के तहत पूरे राज्य में फर्जी दवाओं के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत सभी मेडिकल स्टोर्स, थोक विक्रेताओं और दवा डिपो का कड़ाई से निरीक्षण किया जाएगा।

डॉ अंसारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की फर्जी या नकली दवा की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित दुकान को तुरंत सील कर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी भी तरह के खिलवाड़ को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि इसके लिए कोई समझौता नहीं होगा।

डॉ अंसारी ने कहा कि बहुत मेहनत से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास जारी है। उन्होंने अधिकारियों,मेडिकल स्टोर संचालकों तथा जनता से इस अभियान में सहयोग की अपील की। उनका मानना है कि फर्जी दवाओं से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए सभी को सतर्क और जागरूक रहना होगा। डॉअंसारी ने यह भी बताया कि राज्य के हर जिले में ड्रग्स निरीक्षण टीमें गठित की जा रही हैं। ये टीमें बाजार में उपलब्ध कफ सिरप, एंटीबायोटिक और पेन रिलीवर दवाओं के नमूने लेकर प्राथमिक जांच 24 घंटे के अंदर और विस्तृत जांच 72 घंटे के भीतर प्रस्तुत करेंगी। राज्य ड्रग्स निदेशालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे जांच में शीघ्रता बरतें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,एन०आर०ई०पी०,खूँटी

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–4 वर्ष 2025–26

1. विभाग का नाम :–एन0आर0ई0पी,खूँटी।
2. विज्ञापन दाता का नाम :–कार्यपालक अभियंता,एन0आर0ई0पी,खूँटी।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :–29.10.2025 (1.00 बजे अपराहन तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :– 30.10.2025(1.00 बजे अपराहन तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 31.11.2025(3:30 बजे अपराहन)
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–कार्यपालक अभियंता,एन०आर०ई0पी०,खूँटी
7 निविदा प्राप्ति एवं निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता,एन०आर०ई0पी०,खूँटी
8. कार्य का विस्तृत विवरणी

क0	योजना का नाम	जिला	प्राक्कलित राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1.	Construction of Boundary wall in Co-ed+2 School Ashram Residential School, Rania. (Part-B/600 ft. Boundary)	खूँटी	30.216	0.05	0.61	180 दिन

निविदा की शर्त www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
एन०आर०ई०पी०,खूँटी

PR 363862 (NREP)25-26*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सीजेआई गवई और राकेश किशोर मामला कहां जाकर थमेगा

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उसके संविधान और न्यायपालिका में बसती है, जहां समानता, स्वतंत्रता और न्याय के आदर्शों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। वस्तुतः सर्वोच्च न्यायालय को इसी आत्मा का रक्षक कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या यह रक्षक संस्था सभी समुदायों के लिए समान रूप से न्यायसंगत है? जब मुद्दे बहुसंख्यक समाज, हिन्दू परंपराओं या सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े होते हैं, तो न्यायिक रवैया अक्सर असहज और असंतुलित दिखाई देता है। भारत में जनहित याचिका (पीआईएल) की शुरूआत 1980 के दशक में हुई थी ताकि समाज के हाशिये पर खड़े लोगों को भी न्याय का दरवाजा खुला मिले। छ्वलोकस स्टैंडीछ्व की दीवार को तोड़कर सुप्रीम कोर्ट ने आम नागरिकों को न्याय की प्रक्रिया में भागीदार बनाया। किंतु धीरे-धीरे यह औजार राजनीतिक और विमर्शजनित हथियार बन गया। आज अदालतें कई बार ऐसी याचिकाओं को छ्वापॅपुलिस्टछ्व या छ्वापब्लिसिटी-सीकिंगछ्व बताकर खारिज कर देती हैं। इसी पृष्ठभूमि में सीजेआई गवई और अधिवक्ता राकेश किशोर विवाद तथा अश्विनी उपाध्याय की लगातार खारिज होती याचिकाएँ यह संकेत देती हैं कि बहुसंख्यक समाज से जुड़े मुद्दों को न्यायपालिका किस दृष्टि से देखती है। जब कोई वकील समान नागरिक संहिता, अवैध धर्मांतरण या मंदिर प्रबंधन में राज्य नियंत्रण जैसे विषय उठाता है, तो अदालत प्रायः उन्हें छ्वराजनीतिक एजेंडाछ्व बताकर किनारे रख देती है। वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने संविधान के मूल सिद्धांतों समानता, धर्मनिरपेक्षता और एकरूप न्याय व्यवस्था को आधार बनाकर दो सौ से अधिक जनहित याचिकाएँ दाखिल कीं। परंतु इन याचिकाओं का परिणाम लगभग एक सा रहा या तो खारिज या टिप्पणी के साथ स्थगन। कई बार आरोप लगता है कि अश्विनी उपाध्याय जैसे वकील 'संपूर्ण समाज' के नाम पर भाजपा के राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन, यह आरोप केवल हिन्दू विषयों अथवा बहुसंख्यक हितों की याचिकाओं तक ही क्यों सीमित है? जब विभिन्न समुदायों, अल्पसंख्यकों, सामाजिक वंचितों या अन्य संवेदनशील वर्गों की सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं राजनीतिक रंग लिए सामने आती हैं, तब अदालत चिंतित या सतर्क नहीं दिखती। इससे न्याय का दोहरा मापदंड की ओर इशारा होता है। वास्तव में यहां सोचने एवं विमर्श का विषय यह है कि ये वही न्यायालय है जोकि अल्पसंख्यक समुदाय, जातीय भेदभाव या आरक्षण जैसे विषयों पर जब सुनवाई करती है, तो अत्यंत संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और समयबद्ध रवैया अपनाती है। आज यही विरोधाभास समाज में न्याय के दोहरे मापदंड की छवि बनाता है। भारत का संविधान अपने अनुच्छेद 14, 15 और 25 में समानता, भेदभाव-निषेध और धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इन अनुच्छेदों की चेतना यह कहती है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय से जुड़ा हो, कानून की नजर में समान रहेगा। न्यायपालिका की भूमिका इन अनुच्छेदों की रक्षा करना है, न कि उन्हें समाजशास्त्रीय संतुलन के तराजू में तौलना। यदि न्यायपालिका यह मानकर चलती है कि छ्वबहुसंख्यक समाज स्वतः सशक्त है,छ्व तो वह संविधान की मूल आत्मा से भटक जाती है। क्योंकि संविधान ने शक्ति का वितरण धर्म या जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर किया है। न्यायपालिका के लिए यह आवश्यक है कि वह समान संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग की सुनवाई करे। यदि अल्पसंख्यक के अधिकारों की रक्षा न्याय का कर्तव्य है, तो बहुसंख्यक की न्यायसंगत माँगों की उपेक्षा भी उतनी ही असंवैधानिक है। यही छ्वसंवैधानिक धर्मछ्व का वास्तविक अर्थ भी है कि न्याय केवल कमजोर के लिए नहीं, बल्कि सबके लिए समान रूप से सुनिश्चित हो। वकीलों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई में भी यह असंतुलन दिखाई देता है। बार काउंसिल या अदालतें हिन्दू विषयों पर सक्रिय वकीलों को तत्काल नोटिस देती हैं, जबकि अन्य मामलों में यही तत्परता गायब रहती है। न्याय के भीतर यह चयनात्मकता उस निष्पक्षता को चोट पहुँचाती है, जिस पर पूरी व्यवस्था टिकी है। भारत की न्याय व्यवस्था पश्चिमी उदार मॉडल पर टिकी जरूर है, लेकिन उसकी आत्मा भारतीय समाज की विविधता में है। यहाँ धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन की संरचना है। अतः जब बहुसंख्यक समाज की धार्मिक संस्थाओं मंदिरों, ट्रस्टों, शिक्षा व्यवस्थाओं को न्यायालय बराबर अवसर नहीं देता, तो यह केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं रहता; यह संवैधानिक संस्कृति के क्षरण का संकेत बन जाता है। समान नागरिक संहिता, समान शिक्षा नीति या धर्मांतरण पर पारदर्शी कानून ये केवल हिन्दू एजेंडा नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 44 और 25 की तार्किक परिणति हैं। इन्हें राजनीतिक रंग देकर अदालत स्वयं संविधान की दिशा से भटकती है। सबको समान न्याय, बिना निजी, राजनीतिक अथवा सांस्कृतिक पूर्वाग्रह के, अदालत की सबसे पहली जिम्मेदारी है। बहुसंख्यक समाज के विषयों, धार्मिक प्रशासन, सांस्कृतिक मामलों और सार्वजनिक नीति संबंधी याचिकाओं को भी वही संवेदनशीलता, तत्परता और निष्पक्षता मिलनी चाहिए, जो अन्य समुदायों या संवेदनशील वर्गों की याचिकाओं को मिलती है। अन्यथा, न्याय-कक्षों में उपहास, असंगति और पूर्वाग्रह का वातावरण लोकतांत्रिक भारत के भविष्य पर गहरा प्रश्नचिह्न लगा देगा।

आजम के दरबार में क्यों पहुँचे अखिलेश

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के कामों का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलों को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा।

प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में काफी समय है लेकिन राजनैतिक दलों ने माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने

प्रभुनाथ शुक्ल

भाजपा की पेशानी पर बल ला दिया। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के कामों का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलों को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा। आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाती। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा। आजम का प्रभाव पश्चिमी यूपी में मजबूत है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, यूपी में मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 तक अनुमान है कि यह आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है। यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमानों में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोटबैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं। हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी बड़े पैमाने मतदान करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुस्लिम मतदाताओं का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां की 82 सीटों में 62 सीटों पर विजय हासिल की थी। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहाँ जाएगा। लेकिन पूरी तरह से मुस्लिम मतदाता सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ हैं- ऐसा कहना मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है। उत्तर प्रदेश में एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती को जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर, दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि दलित पूरी तरह मायावती में आस्था रखता है। कैडर आधारित पार्टी बसपा ने बिना प्रचार के लखनऊ में एकबार फिर ताकत का प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वंद्वियों की नींद उड़ा दी है। इस रैली में मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा की वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा। अखिलेश सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फामूर्ले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखीं। हालांकि जमीनी सच्चाई यही है कि इस भीड़ से बसपा और दलित मतदाता भले खुश हों लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

समाज में परिवर्तन की वाहक बनें बालिकाएं

11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में इसे मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में इसे मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है- मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की

रमेश सर्राफ धमोरा

परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद अनेकों कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियां को बोझ समझा जाता है। भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए, यहां महिलाओं से पुरुषों की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए, अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नहीं हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते हैं तो हम सबका यही फर्ज बनता है कि बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाएं। उन्हें इतना सशक्त बनाएं कि खुद गर्व से कह सके कि देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिस छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाइटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताड़ना की घटनायें अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। बालिकायें कहीं भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगी। समाज के पढ़े-लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनौने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेंगे ना ही किसी को करने देंगे। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मां, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती हैं। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेंगे।

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत से जीवन को मिलती है नई ऊर्जा

आज वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत है, हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन न सिर्फ करवा चौथ बल्कि वक्रतुण्ड संकष्टी चतुर्थी तिथि के लिए भी जानी जाती है। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी एक अत्यंत पावन अवसर है जो भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम बनता है। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत जीवन को नई ऊर्जा, विश्वास और संतुलन प्रदान करता है तो आइए हम आपको वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। संपूर्ण सनातन धर्म में कार्तिक माह का अत्यंत पावन स्थान है। इस महीने भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, और इसी शुभ अवसर को देवउठनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इसके अगले दिन तुलसी विवाह होता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को दो महत्वपूर्ण पर्व एक साथ मनाए जाते हैं करवा चौथ और वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी। हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान गणेश के पूजन से ही की जाती है। उन्हें विघ्नहर्ता और बुद्धि, समृद्धि के देवता माना जाता है। पंडितों के अनुसार भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और सुख, सौभाग्य तथा धन-धान्य की वृद्धि होती है। यह दिन शुद्धि, बाधाओं से मुक्ति और मानसिक बल प्राप्त करने का भी प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार गणेश जी के भक्त इस दिन उपवास करते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं, लड्डू व दूर्वा अर्पित करते हैं और रात्रि में चंद्र दर्शन के साथ व्रत पूर्ण करते हैं। हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी तिथि का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व माना गया है क्योंकि यह न सिर्फ करवा चौथ व्रत के लिए जानी जाती है, बल्कि इसे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन संतान की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना लिए हुए प्रथम पूजनीय भगवान श्री गणेश जी की विशेष पूजा की जाती है। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी व्रत में भगवान श्री गणेश जी के साथ चंद्र देवता की पूजा का विधान है। करवा चौथ व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना के लिए रखा जाता है। यह व्रत करवा माता को समर्पित होता है और इसका विशेष सामाजिक एवं पारिवारिक महत्व है। इसी दिन वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का पर्व भी मनाया जाता है, जो पूरी तरह से भगवान गणेश को समर्पित होता है। वक्रतुंड गणेश जी का एक विशेष रूप है, जो विघ्नों को दूर करने वाला और बाधाओं से मुक्ति दिलाने वाला माना जाता है। इस दिन गणेश जी का उपवास और पूजा करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। आसान शब्दों में कहें तो सूर्योदय होने के बाद तिथि की गणना की जाती है। वहीं, संकष्टी चतुर्थी पर चंद्र दर्शन किया जाता है। इसके लिए, चतुर्थी तिथि का बारीकी से अवलोकन किया जाता है। इस साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस शुभ अवसर पर चंद्र दर्शन का शुभ योग शाम 08 बजकर 13 मिनट पर है।

टिप्स

फैटी लिवर को जड़ से खत्म करेंगे ये 3 'चमत्कारी' ड्रिंक्स

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण बीमारियों की समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। फैटी लिवर की समस्या काफी देखने को मिल रही है। यह एक ऐसी कंडीशन होती है, जिसमें लिवर के सेल्स में एक्स्ट्रा फैट जम जाता है। इसे समय रहते ध्यान नहीं दिया, तो यह गंभीर लिवर डिजीज का कारण बन जाता है। हालांकि, अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करने से डाइट में कुछ खास ड्रिंक्स का सेवन करने से इस समस्या को खत्म किया जा सकता है। अपनी डाइट में ये 3 ड्रिंक्स को एड ऑन करें। फिर देखें इसके फायदे। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। ग्रीन टी को लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इसमें कैटेचिन होता है। ग्रीन टी पीने से लिवर में फैट के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। फैट के जमाव को कम करने में सहायक है। यह लिवर की सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को भी कम करता है और यह लिवर के सेल्स को डैमेज होने से बचाता है। अगर आप बिना दूध और चीनी के ब्लैक कॉफी पिएंगे, तो आपको फैटी लिवर की समस्या में आराम मिलेगा। कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोल पाए जाते हैं, जो लिवर फाइब्रोसिस के जोखिम को कम करने में सहायक करता है। यह लिवर की सूजन को कम करता है और फैट जमाव को रोकने में मदद करता है। चुकंदर के जूस में कई सारे न्यूट्रिएंट पाए जाते हैं। इसमें बीटाइन और बीटालेन जैसे कंपाउंड भरपूर मात्रा में होते हैं, जो लिवर पर फैट के जमाव को कम करता है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड फ्लो को बेहतर करते हैं, जो कि लिवर फंक्शन के लिए काफी फायदेमंद होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in email : metrorays.ranchi@gmail.com

अवैध बालू का भंडारण करने वालों पर दर्ज हुई प्राथमिकी

संवाददाता

दुमकाः अवैध बालू भंडारण को लेकर जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार के द्वारा कार्रवाई की गयी एवं डीएमओ के निर्देश पर रामगढ़ थाना में ग्राम झांझर निवासी गोपाल साह पिता रघुनाथ साह पर खान निरीक्षक गौरव सिंह के द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी। जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि 9 अक्टूबर को रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत पंचायत कारूडी ग्राम झांझर में रामगढ़ सीओ एवं थाना प्रभारी के द्वारा अवैध खनन के खिलाफ छापेमारी की गयी थी,जहां झांझर निवासी गोपाल साह के द्वारा 7500 सीएफटी बालू का भंडारण करते पकड़ा गया था

एवं बालू को जप्त करते हुए अग्रेतर कार्रवाई को लेकर जिला खनन विभाग में पत्र के माध्यम से इसकी सूचना दी गयी,जिस पर कार्रवाई करते हुए खान निरीक्षक के द्वारा बालू की जांच की गयी जांच में पाया गया कि किसी भी व्यक्ति के नाम पर बालू भंडारण का लाइसेंस नहीं था एवं बालू पूरी तरह से अवैध पाया गया जिस कार्रवाई करते हुए खान निरीक्षक के द्वारा विभागीय नियम के उल्लधन के आलोक में झांझर निवासी गोपाल साह पर रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी। किसी भी कीमत पर बक्से नहीं जाएंगे अवैध कारोबारीः आनंद कुमार, जिला खनन पदाधिकारी, दुमका जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा है कि उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जिले में अवैध कारोबार पर विभाग नजर बनाए हुए हैं एवं किसी भी कीमत पर अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण करने वाले कारोबारी बक्से नहीं जाएंगे।

सुरक्षा और रखरखाव में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने समहरणालय स्थित ईभीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व प्रबंधन का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपायुक्त ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही, उन्होंने कर्मीयों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए ईभीएम की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए।

मौके पर, अपर समाहर्ता गौतम भगत, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

विस्थापितों ने उपायुक्त हेमंत सती से भेंट कर पुनर्वास को लेकर सौंपा ज्ञापन

रामपुर बलुआ टोपरा और काला दियारा में खेती पशुपालन कर जीवन यापन कर रहे हैं ग्रामीण

साहिबगंज:जिला के समदानाला बंदरगाह के विस्थापितों ने शुक्रवार को उपायुक्त हेमंत सती से उनके कार्यालय कक्ष में भेंट कर उनके पुनर्वास को लेकर ज्ञापन सौंपा।बंदरगाह के विस्थापित लोगों ने उपायुक्त से तालझारी प्रखण्ड के बांसकोला में उन्हें पुनर्वासित न कर बंदरगाह के आसपास ही बसाने की मांग की है।ग्रामीणों ने कहा कि वे गंगा पार के रामपुर,बलुआ,टोपरा और काला दियारा में खेती और पशुपालन कर अपना जीवन यापन करते है। इस कारण उन्हें रोज दियारा जाना होता है।पर उनका वर्तमान निवास स्थान से बांसकोला करीब 04 किलोमीटर दूर है।यदि उन्हें बांसकोला में बसाया जाता है तो वे रोज आवागमन नहीं कर पाएंगे। विस्थापित ग्रामीणों ने उपायुक्त से बंदरगाह के पास ही 05 डिसमिल जमीन देने की मांग की है ताकि वे वहां अपना घर बनकर रह सके। मौके पर रामानन्द सिंह,बीरबल मंडल,रामसिपही सिंह,प्रमोद मंडल,जगरनाथ सिंह,छंगलू सिंह, विकास कुमार सिंह,अजय मंडल, कैलाश मंडल,अमित मंडल सहित दर्जनों अन्य मौजूद थे।:::::::::::::

जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध : उपायुक्त

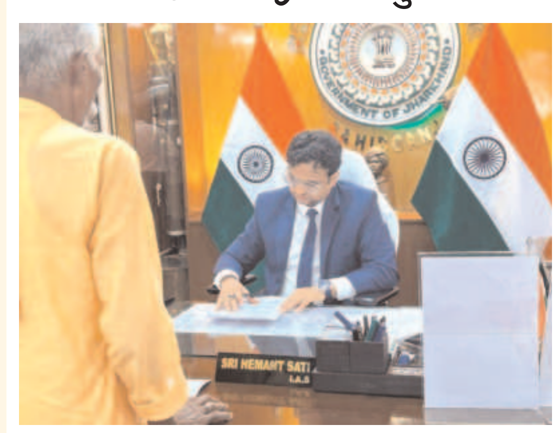

साहिबगंजः जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती द्वारा आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। यह दरबार उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित किया गया। जहां विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया।जनता दरबार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, बिजली, और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग उपायुक्त से मिले। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के पदाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान जनता दरबार में उपायुक्त ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाएं । उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।जनता दरबार में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध तरीके से हल करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जो शिकायतें तुरंत हल हो सकती हैं। उनका समाधान मौके पर ही किया जाए।

समकालीन अभियान के दौरान गिरफ्तार युवकों को भेजा गया जेल

साहिबगंजः मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 85/25 के प्राथमिकी आरोपी शोभनपुर मठिया निवासी मुकेश कुमार यादव व कांड संख्या 98/24 के प्राथमिकी आरोपी लव यादव उर्फ पप्पू यादव व गौतम कुमार यादव उर्फ माड़र यादव एवं सीसी- 285/22,डीबी नंबर-777 के वारंटी बड़ी कोदरजनना निवासी भोटा सिंह उर्फ जुगेश सिंह को समकालीन अभियान के दौरान विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने प्रखंड अध्यक्षों संग किया संगठन विस्तार का आह्वान

कोडरमा : परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी की विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें नव नियुक्त जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने सभी प्रखंड अध्यक्षों और युवा जिला अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर प्रकाश रजक ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। पूरे माहौल में उत्साह और एकजुटता का भाव देखने को मिला। बैठक में प्रकाश रजक ने कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती जमीनी स्तर के कार्यकताओं पर टिकी है। उन्होंने सभी प्रखंड अध्यक्षों से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करें, जनता की समस्याओं को उठाएं और पार्टी की विचारधारा को हर घर तक पहुंचाएं।

खेल प्रतियोगिताः बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए साहिबगंज महाविद्यालय से दो छात्रों का चयन

संवाददाता

साहिबगंजः सिदो कान्हो मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालय में आयोजित हो रहे खेल प्रतियोगिता में बैडमिंटन खेल के लिए साहिबगंज महाविद्यालय से दो छात्रों का चयन किया गया जो बैडमिंटन खेल में एकल और युगल प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। यूजी सेम3 गणित विभाग के छात्र आदित्य कुमार व यूजी सेम टू अंग्रेजी विभाग के छात्र शिवम राज का चयन समिति के सदस्यों के द्वारा चयन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने चयनित दोनों खिलाड़ियों को

शुभकामनाएं दी हैं और यह विश्वास व्यक्त किया है कि ये सर्वोच्च स्थान को प्राप्त करेंगे। पूरी चयन प्रक्रिया महाविद्यालय के नवनियुक्त खेल पदाधिकारी प्रोफेसर प्रदीप कुजुर की देखरेख एवं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ सिदाम सिंह मुंडा,डॉ प्रमोद कुमार दास,डॉ मरियन हेंब्रम,डॉ सेमी मरांडी,डॉ शोभा मुर्मू,डॉ.सोनू फ्रांसिस मुर्मू,डॉ जिशु हांसदा,डॉ अनु सुमन बाड़ा,डॉ प्रसनजीत दास,डॉ.प्रिया सिंह व अन्य उपस्थित थे।

जलेबिया घाटी में बंधन बैंक कर्मी के साथ की लूटपाट, प्राथमिकी

संवाददाता

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत जलेबिया घाटी में देर शाम बदमाशों ने बंधन बैंक कर्मी के साथ मोटरसाइकिल रोककर रुपया मोबाइल व पर्स छीन लिया।वहीं उसके साथ मारपीट भी की जिससे दोनों घायल हो गए।पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बैंक कर्मी उधवा फुदकीपुर निवासी राजेश कर्मकार ने बताया कि अपने साथी एचडीएफसी बैंक कर्मी देवराज दास के साथ घर लौट रहे थे।तीन लोगों ने रोक कर उनके साथ मारपीट की।वहीं पिट्ठू

बैग,फोन,पर्स,500-700 रुपये, एटीएम,क्रेडिट कार्ड छीन कर साहिबगंज की तरफ भाग निकले।इधर मामले की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने दलबल के साथ वहां पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल मे जुट गई।

असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान

दोनों नाबालिगों को मंथन प्रतिनिधि अनुराधा मंडल को सौंपा गया

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः सुबह लगभग 5:40 बजे आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार अपने हमराह सहायक उप निरीक्षक जेके.दुबे के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन परिसर में मानव तस्करी व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चला रहे थे। जांच के दौरान जब वेटिंग रूम की तलाशी ली गई तो वहां दो नाबालिग लड़के संदिग्ध अवस्था में बैठे पाए गए। संदेह होने पर जब आरपीएफ टीम ने दोनों से पूछताछ की तो वे घबरा गए और उलझी हुई बातें करने लगे।बाद में पूछताछ में उन्होंने अपना नाम रमेश पहाड़िया और सौम्य पहाड़िया,दोनों थाना बोरियो जिला साहिबगंज निवासी बताया।दोनों ने स्वीकार किया कि घर पर किसी बात को लेकर पिता से अनबन होने के कारण वे बिना बताए बारहड़वा पहुंचे थे। और वहां से दिल्ली आनंद विहार ट्रेन से

काम की तलाश में जाने की योजना बना रहे थे। आरपीएफ ने दोनों नाबालिगों को तत्काल हिरासत में लेकर पोस्ट बरहरवा लाया और मामले की सूचना बाल संरक्षण संगठन मंथन, बरहरवा साहिबगंज को दी।बच्चों से उनके परिजनों के मोबाइल नंबर लेकर घरवालों को सूचना दी गई।कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों नाबालिगों को मंथन की प्रतिनिधि अनुराधा मंडल के सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से संभावित मानव तस्करी जैसी गंभीर घटना टल गई।

मतदाता पुनरीक्षण को लेकर झामुमो की बैठक

सभी झामुमो पंचायत अध्यक्ष व सचिव मतदाता पुनरीक्षण कार्य पर रखें पैनी नजर : बर्नाड मरांडी

– झामुमो प्रखंड कार्यालय में हुई बैठक मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दी जानकारी

संवाददाता

साहिबगंजःझामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में शुक्रवार को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से सभी पंचायत अध्यक्ष सचिव शामिल हुए झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान बरहेट प्रखंड के सभी झामुमो पंचायत अध्यक्ष सचिव मतदाता पुनरीक्षण कार्य में पैनी नजर रखनी है। साथ ही साथ अपने-अपने बूथों पर बीएलए पत्र भरकर जल्द से जल्द झामुमो प्रखंड कार्यालय में जमा करें।वही बी एल ए पत्र में सभी बूथों पर एजेंट नियुक्त करने का दिशा निर्देश भी दिया गया। मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव मुजीबुर रहमान, ज़िला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,लुखीराम हेंब्रम,रूपक साह,अब्दुल मजीद,लड्डू भगत,समदा सोरेन बाबूलाल सोरेन,देवीलाल तुरी,संजय सोरेन,सामयल मुर्मू के अलावा अन्य मौजूद थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करना उद्देश्य : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंजः सिविल सर्जन कार्यालय संयुक्त भवन सभागार में सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान.अध्यक्षता में हर साल की तरह इस साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना मानसिक बीमारियों पर कलंक को कम करना और ऐसे समर्थन तंत्र को प्रोत्साहित करना है जो मानसिक कल्याण को बढ़ावा दे।इस वर्ष विश्व

मानसिक स्वास्थ्य दिवस का थीम है सर्विसेस तक पहुँच आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य। इस वर्ष का यह विषय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।क्योंकि यह वैश्विक समुदायों, सरकारों और स्वास्थ्य प्रणालियों से आग्रह करता है। कि वे युद्ध, महामारी,प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय आपात स्थितियों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। जब मानसिक समर्थन सबसे अधिक आवश्यक होता है।लेकिन अक्सर सबसे कम उपलब्ध होता है। यह आयोजन मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। इस कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें मानसिक रोगों के कारण, प्रभाव और उनसे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही साथ मेंटल हेल्थ मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित एक्टिविटी करवाई गई जिसमें प्रथम पुरस्कार-शांति लकड़ा एवं स्वीटी स्नेहा मुर्मू, द्वितीय पुरस्कार-मोहन सिंह जाटव एवं नैंसी हांसदा एवं तृतीय पुरस्कार रोजमेरी सोरेन एवं राजकुमार मित्तल के साथ ही ई संजीवनी टेली मेडिसिन की ट्रेनिंग राज्य के शिवशंकर ई संजीवनी कोऑर्डिनेटर के द्वारा दी गई साथ ही साथ प्रथम पांच श्रेष्ठ कार्य करने वाले को प्रथम पुरस्कार-शोभा तिर्की द्वितीय पुरस्कार-नैंसी हांसदा, तृतीय पुरस्कार- चांदनी कुमारी, चतुर्थ पुरस्कार-भूमिका लकड़ा एवं पंचम पुरस्कार सोनम कुमारी को सिविल सर्जन के द्वारा दिया गया।कार्यशाला में सिविल सर्जन रामदेव पासवान,डॉ किरण माला,एनसीडी सेल से पीटर सोरेन शिव शंकर एवं सभी सीएचओ उपस्थित रहे।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से

मांगी माफी

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था। मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था। इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली। दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोवर्धन मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

एक्टर ने 9 महीने बाद बताया सारा सच, मां शर्मिला ने दी थी बड़ी सलाह

सैफ अली खान पर चाकू से हुआ था नकली हमला

सैफ अली खान ने काजोल और ट्विंकिल खन्ना के शो टू मच में खुद पर चाकू से हुए हमले का जिक्र किया है। आपबीती सुनाते हुए उन्होंने उन लोगों को भी जवाब दिया जो इस हमले और सर्जरी को नकली और फर्जी बता रहे थे।

सैफ अली खान पर इसी साल की शुरुआत में उनके घर में ही चाकू से जानलेवा हमला हुआ। 16 जनवरी की रात को हुई इस वारदात ने बॉलीवुड से लेकर पुलिस महकमे तक, हलचल मचा दी। सवाल सुरक्षा को लेकर उठने लगे। कथति तौर पर चोरी के इरादे से एक शख्स सैफ-करीना के घर में दाखलि हुआ था। सैफ अली खान से उसकी हाथापाई हुई, जिसमें बचने के लिए उस चोर ने एक्टर पर चाकू से वार कर दिया। यह वाकया अपने-आप में डरावना था, खासकर तब जब पता चला कि वह बदमाश सैफ-करीना के छोटे बेटे जेह के कमरे में दाखलि हुआ था। इस घटना के बाद लहूलुहान सैफ अस्पताल में भर्ती हुए, जहां सर्जरी के बाद उनके शरीर से चाकू का एक हिस्सा निकाला गया। लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद इस हमले पर ही सवाल उठने लगे। कई लोगों ने कहा कि यह पूरा मामला ही झूठा है, क्योंकि सर्जरी के बाद जब सैफ अस्पताल से घर लौटे तो वह फिट दिख रहे थे। अपने पैरों पर चल रहे थे। अब 9 महीने बाद सैफ अली खान ने खुद इस पर चुप्पी तोड़ी है।

काजोल और ट्विंकल खन्ना के टॉक शो टू मच में सैफ अली खान ने खुलासा किया कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह अपने पैरों पर चलते हुए घर क्यों लौटे। यह भी बताया कि उस घटना और सर्जरी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह से बदली। सैफ ने शो में जहां उस पूरी घटना को विस्तार से बताया, वहीं काजोल और ट्विंकिल ने कहा कि सैफ असल जिंदगी के हीरो हैं, जिन्होंने अपने परिवार और बेटे जेह की सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

सैफ अली खान ने सुनाया वारदात की रात का पूरा किस्सा

सैफ अली खान ने शो में बताया, 'उस रात करीना बाहर गई हुई थीं। मैं, तैमूर और जेह, हमने ठीक तभी एक फिल्म खत्म की थी। हम सोने लगे गए। काफी रात हो गई थी, करीब 2 बज रहे थे। करीना के घर आने के बाद हमने थोड़ी बात की। तभी उधर से मेड आई और कहा कि जेह बाबा के कमरे में कोई है। उसके हाथ में चाकू है और बोल रहा है कि उसको पैसे चाहिए।

सैफ का खुलासा- जेह और उसकी नैनी को भी लगा था चाकू

सैफ अली खान ने आगे कहा, मैंने जैसे ही यह सुना, झटका लगा। मैं यह सुनते सुनते बिस्तर से नीचे उतर गया। मैं अंधेरे में जेह के कमरे की तरफ दौड़ा। मैंने देखा कि वह आदमी उसके बेड पर खड़ा था, उसके हाथ में चाकू था। शो में सैफ के साथ मेहमान बनकर पहुंचे अक्षय कुमार ने इस पर पूछा कि क्या वह हमलावर जेह की तरफ चाकू किए हुए था वह चाकू इस तरह हिला रहा था कि जेह और उसकी नैनी के कट भी लगा।

वह अंधेरे में पागलों की तरह चाकू चलाने लगा

खैर, सैफ ने घटना का जिक्र करते हुए आगे कहा, मुझे अंधेरे में लगा कि वह मुझसे छोटा है। मतलब कि उम्र में। मैं उसकी तरफ कूदा। बाद में जेह ने मुझसे कहा कि आपने गलती कर दी। आपको उसे लात-घूसा मारना चाहिए था। लेकिन मैं कूदा और हमारी हाथापाई होने लगी। वह पागलों की तरह बचने के लिए चाकू चलाने लगा और उसने मेरे शरीर पर कई जगह वार किए।

तैमूर ने कहा- मैं भी अस्पताल जाना चाहता हूं

सैफ ने बताया कि सही मायने में वह जेह की नैनी ही थी, जिसने उनहें बचाया। उसने बदमाश को पीछे धक्का दिया। लेकिन तब तक वह चाकू से कई वार कर चुका था। सैफ ने कहा, उसने मेरी रीढ़ पर वार किया था। तैमूर ने मुझसे पूछा कि अब्बा क्या आप मरने वाले हैं मैंने उससे कहा कि मुझे तो ऐसा नहीं लग रहा, लेकिन मेरी पीठ में बहुत दर्द हो रहा है। एक्टर ने आगे बताया कि उस बदमाश के वहां से भागने के बाद करीना बच्चों को लेकर करिश्मा के घर जाने वाली थी। हमने एक ऑटो रिक्शा वाले को रोका। तब तैमूर ने कहा कि वह भी अस्पताल चलना चाहता है। सैफ कहते हैं, मैंने उस वक्त उसे देखा और मुझे अजीब शांति मिली।

सैफ के अस्पताल पहुंचने पर क्या हुआ

सैफ अली खान ने अस्पताल को याद करते हुए कहा, मैंने वहां पहुंचते ही एक लड़के से पूछा कि क्या वह मुझे स्ट्रेचर लाकर दे सकता है। उसने पूछा, व्हीलचेयर मैंने कहा कि नहीं, मुझे लगता कि मुझे स्ट्रेचर की जरूरत है। मैंने देखा कि वह उठ नहीं रहा था, तब मैंने उससे कहा कि मैं सैफ अली खान हूं, और यह मेडिकल इमरजेंसी है।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुआ, चलने में दर्द हो रहा था लेकिन...

आखरि में, सैफ अली खान ने उन आरोपों पर भी चुप्पी तोड़ी, जिसमें कहा गया कि हमला, और उसके सर्जरी यह सब झूठ था। एक्टर ने कहा, जब सबकुछ हो गया। मुझे बहुत तरह के सुझाव दिए गए। यह भी कि मुझे किस तरह बाहर जाना चाहिए। मीडिया बहुत उतावली हो रही थी। कोई मेरी बात नहीं सुन रहा था। यह बहुत बुरा था। लेकिन मैं चल सकता था।

ऋषभ शेट्टी की

कांतारा चैप्टर 1 ने हिंदी में भी कमाए 100 करोड़

● साउथ की यह फिल्में भी कर चुकीं ऐसा ही कमाल

बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 ने अब तक कमाल का प्रदर्शन किया है। फिल्म ने हिंदी वर्जन ने भी अब 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

साउथ सिनेमा का जलवा एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर छा गया है। ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने इतिहास रच दिया है। फिल्म के हिंदी वर्जन ने न सिर्फ 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया, बल्कि यह उपलब्धि हासिल करने वाली साउथ की केवल 12वीं फिल्म बन गई है।

हिंदी में भी 100 करोड़ पार हुई फिल्म: ऋषभ शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बुधवार को लगभग 8.5 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका कुल हिंदी कलेक्शन 102 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का हिंदी वर्जन अन्य भाषाओं की तुलना में सबसे तेजी से 100 करोड़ क्लब में शामिल हुआ। कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम संस्करणों को जोड़ें तो फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 316 करोड़ रुपये हो चुका है। यह साबित करता है कि 'कांतारा चैप्टर 1' सिर्फ एक रीजनल फिल्म नहीं, बल्कि एक पैन इंडिया फिनॉमिना बन चुकी है।

साउथ की वो 12 फिल्में जिनके हिंदी वर्जन ने मचाया धमाल

1. बाहुबली: द बिगिनिंग (2015)
एस.एस. राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने हिंदी बेल्ट में 118.7 करोड़ रुपये की कमाई की थी। प्रभास, राणा दग्गुबती और तमन्ना भाटिया के अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

2. पुष्पा: द राइज (2021)
अल्लू अर्जुन की इस फिल्म ने हिंदी में 108.26 करोड़ रुपये की कमाई की। यह फिल्म आम जनता के बीच एक ट्रेंड बन गई थी – झुकेगा नहीं।

3. साहो: (2019)
प्रभास और श्रद्धा कपूर की यह फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 142.95 करोड़ रुपये लेकर आई थी।

4. सलार पार्ट 1: सीजफायर (2023)
प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने 153.84 करोड़ रुपये कमाए।

वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी कब्जा:

'कांतारा चैप्टर 1' का बजट लगभग 125 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मंगलवार तक इसका ग्लोबल कलेक्शन 427 करोड़ रुपये था, जो बुधवार को बढ़कर 450 करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

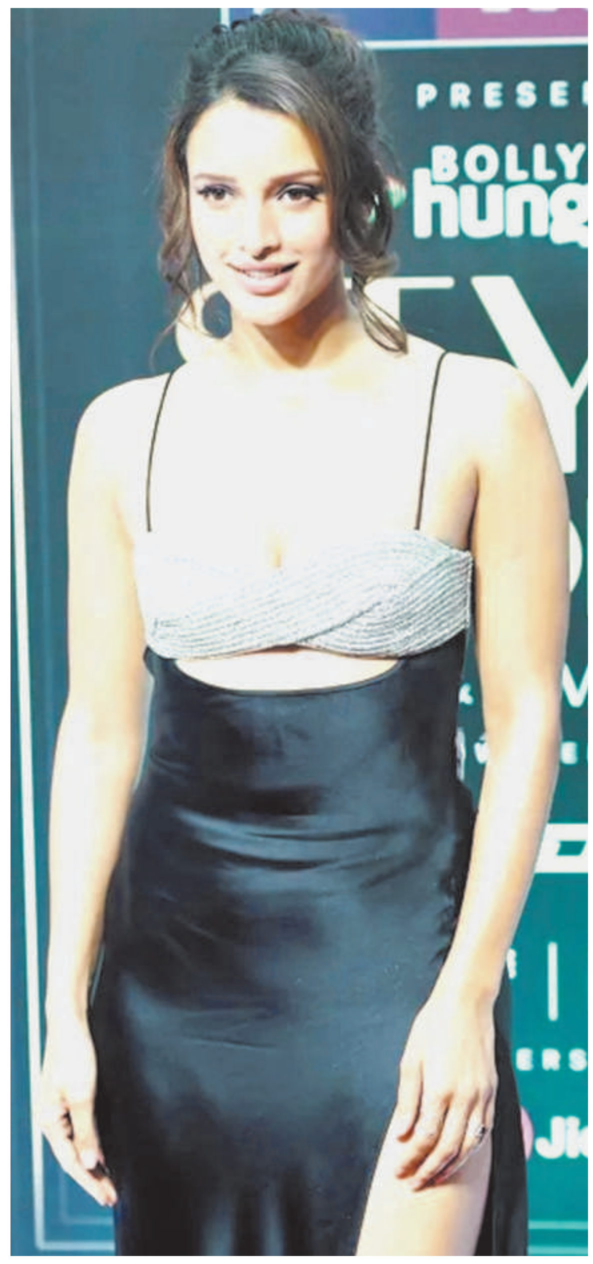

वेटरन एक्ट्रेस परवीन बॉबी की बायोपिक सीरीज में दिखेंगी तृप्ति

तृप्ति डिमरी के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स हैं। इस बीच अब उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। तृप्ति को एक बायोग्राफिकल सीरीज में वेटरन एक्ट्रेस परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस नेटफ्लिक्स सीरीज का निर्माण जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें द स्काई इज पिंक की निर्देशक शोनाली बोस इस प्रोजेक्ट का निर्देशन करेंगी।

सान्या मल्होत्रा ने दिखाया सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फनसाइड

अभिनेत्री और स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने फैंस को पर्दे के पीछे की वह मस्ती दिखाई है, जिसकी हमें ज़रूरत तो थी, लेकिन हमने सोची नहीं थी! हाल ही में उन्होंने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सेट से एक मज़ेदार बीटीएस मोमेंट्स शेयर की है, और यह फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हंसी-मज़ाक से भरे ब्रेक्स से लेकर अनपेक्षित और सच्चे पलों तक, सान्या की (बिहाइंड द सीन्स) फोटोज़ और वीडियोज़ का ये करूसल फिल्म की स्टारकास्ट के बीच की गर्मजोशी और दोस्ती को बखूबी दर्शाता है। चाहे वो एक छोटा सा मज़ाक हो, शूटिंग के दौरान हुई किसी गलती पर साझा हँसी, या एक-दूसरे के प्रति सच्चा सम्मान, हर पल में सब के बीच की दोस्ती साफ़ दिखाई देती है। सान्या की ऊर्जा पूरे माहौल को हल्का और खुशनुमा बना देती है, जिससे लंबे शूटिंग शेड्यूल भी आसान लगते हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तुरंत प्रतिक्रिया की बाढ़ ला दी – सभी को पर्दे के पीछे की ये झलकियाँ बेहद पसंद आईं। यह याद दिलाने वाला है कि बेहतरीन कहानी सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि उसके पीछे भी बनती है। मस्ती भरे पलों से लेकर दिल को छू लेने वाली बातों तक, सान्या मल्होत्रा अपने प्रशंसकों को एक बेहतरीन तोहफ़ा दे रही हैं - सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की खुशनुमा दुनिया की एक झलक, जहां हर मुस्कान, हर हँसी और हर बीटीएस मोमेंट यादगार बन जाता है। हाल ही में फिल्म 'कटहल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने और 'मिसेज़' में सराहे गए परफॉर्मेंस के बाद, सान्या का करियर एक दुर्लभ संतुलन दिखाता है – जहां कला और व्यवसाय दोनों साथ चलते हैं।

आईटीबीपी के गौरव मौर्या ने 10वीं ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में जीता स्वर्ण

श्रीनगर : जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा 8 से 16 अक्टूबर तक आयोजित 10वीं अखिल भारतीय पुलिस गेम्स (जूडो क्लस्टर) में वाराणसी के गौरव मौर्या (आईटीबीपी) ने कराते स्पर्धा के कुमिते 60 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रचा। गौरव ने क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड पुलिस को 5–7 से, सेमीफाइनल में असम राइफल्स को 6–7 से, और फाइनल में सीआरपीएफ के खिलाड़ी को 6–8 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता की तैयारी के लिए गौरव ने ओडिशा में आयोजित नेशनल कैंप में दिन–रात कठिन अभ्यास किया। उन्होंने बताया कि इस सफलता के पीछे उनके परिवार, कोच और टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी इस जीत से आईटीबीपी बल और वाराणसी का नाम पूरे प्रदेश में गर्व से ऊँचा हुआ है।

1948 लंदन ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारतीय हॉकी के लिए हमेशा खास रहेगा : हरमनप्रीत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय खेल जगत में हॉकी का स्थान हमेशा ही बेहद खास रहा है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को आधुनिक युग के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है, और वे प्रेरणा लेते हैं बीते दौर के उन गौरवशाली क्षणों से, जब 1948 लंदन ओलंपिक में भारत ने आजादी के एक वर्ष बाद ग्रेट ब्रिटेन को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। यह वही ऐतिहासिक अवसर था जब ओलंपिक खेलों में पहली बार तिरंगा फहराया गया था। उस स्वर्णिम पल को याद करते हुए हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ह्ल1948 लंदन ओलंपिक में जब भारत ने गोल्ड मेडल जीता, तो वह पूरे देश के लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण था। खासकर इसलिए क्योंकि जीत ग्रेट ब्रिटेन के मैदान पर मिली थी। हमने अपने वरिष्ठों से उस दिन की कहानियाँ सुनी हैं, और मेरे लिए वह क्षण बेहद प्रेरणादायक है। हरमनप्रीत सिंह, जिन्होंने भारतीय टीम को टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई, ने उस युग के महान खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर से मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने कहा, ह्लबलबीर सिंह सीनियर सर से मिलना और उनके मुख से लंदन ओलंपिक की कहानियाँ सुनना मेरे जीवन के सबसे विशेष क्षणों में से एक रहा। उन्होंने बताया कि कैसे उस समय लंदन की भीड़ भारतीय टीम के लिए तालियां बजा रही थी – यह सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कल्पना कीजिए, खिलाड़ियों ने उस पल कैसी खुशी महसूस की होगी। 1948 ओलंपिक में भारत ने समूह चरण में ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना और स्पेन को हराया था, फिर सेमीफाइनल में नीदरलैंड्स को पराजित कर, फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब हरमनप्रीत और उनकी टीम की नजरें 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर हैं। कप्तान ने कहा, ह्लहमने लगातार दो बार ओलंपिक में पदक जीते हैं और तिरंगे को ऊंचा होते देखा है, लेकिन अब हमारा सपना एक कदम आगे बढ़ने का है। हम चाहते हैं कि एक बार फिर ओलंपिक में राष्ट्रीय गान बजे, जैसा 1948 में किशन लाल और बलबीर सिंह सीनियर की टीम ने अनुभव किया था। इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हरमनप्रीत ने अंत में कहा, ह्लहॉकी और भारत का रिश्ता ऐतिहासिक है। हमारी कोशिश होगी कि हम देश के लिए नौवां गोल्ड मेडल जीतें। मुझे विश्वास है कि हमारे वरिष्ठ खिलाड़ियों के आशीर्वाद से हम यह सपना जरूर पूरा करेंगे।ह्व हॉकी इंडिया आने वाले दिनों में ऐसे कई और प्रेरणादायक किस्से साझा करेगी, जिनमें उन दिग्गजों की गाथाएँ शामिल होंगी जिन्होंने पिछले 100 वर्षों में भारतीय हॉकी को विश्व मानचित्र पर चमकाया।

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप: हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का मीट रिकॉर्ड तोड़ा

भुवनेश्वर : एशियाई अंडर–18 चैंपियन हिमांशु जाखड़ ने शुक्रवार को कलिंगा स्टेडियम में चल रही नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ हिमांशु ने 2026 वर्ल्ड अंडर–20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। सऊदी अरब में अप्रैल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में 67.57 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु ने इस बार जबरदस्त सुधार दिखाते हुए पुरुष अंडर–18 क्वालिफिकेशन राउंड में 79.96 मीटर का थ्रो दर्ज किया। यह न केवल वर्ल्ड अंडर–20 वालिफिकेशन मार्क (68.50 मीटर) से कहीं बेहतर था, बल्कि नीरज चोपड़ा के 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के रिकॉर्ड से भी तीन मीटर अधिक रहा।इसी प्रतियोगिता में मोहित चौधरी ने अंडर–20 पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:09.71 सेकंड का समय लेकर नया मीट रिकॉर्ड बनाया। वहीं ऐलिस विकल ने अंडर–16 लड़कियों की शॉट पुट क्वालिफिकेशन में 13.26 मीटर का थ्रो कर अलका सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड (13.10 मीटर) को पीछे छोड़ दिया।

मेसी की गैरमौजूदगी में भी अर्जेंटीना की आसान जीत, वेनेजुएला को 1-0 से हराया

एजेंसी

मियामी: लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति के बावजूद अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मियामी में खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से पराजित किया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए मैच का एकमात्र गोल 31वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने किया। यह गोल शानदार टीम संयोजन का नतीजा था, जिसमें जूलियन अल्वारेज और लाउटारो मार्टिनेज की बेहतरीन साझेदारी शामिल रही। लो सेल्सो ने वेनेजुएला के गोलकीपर जोसे कॉन्ट्रेरास को सटीक लेफ्ट-फुट शॉट से मात दी। मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जहां 65,000 की क्षमता वाले स्टेडियम में मात्र 15,000 दर्शक मौजूद थे। इंटर मियामी के स्टार मेसी दर्शकदीर्घा से यह मुकाबला देखते नजर आए।

अर्जेंटीना की ओर से अल्वारेज और मार्टिनेज ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने भी प्रभावित किया। यह मुकाबला अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान फ्लोरिडा में अर्जेंटीना के दो अभ्यास मैचों में से पहला था। विश्व चैंपियन टीम अब अगला मैच मंगलवार को फोर्ट लॉडरडेल में प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेलेगी। यह मैच मूल रूप से शिकागो के सोल्जर फील्ड में होना था, लेकिन अमेरिका में प्रवासियों पर सरकारी कार्रवाई के बीच इसे स्थानांतरित कर दिया गया।

बारिश में फिर डूबा कोलकाता

एजेंसी

कोलकाता : राजधानी कोलकाता एक बार फिर चंद मिनट के बारिश में जलमग्न हो गया है। दुर्गा पूजा के समय लगातार बारिश की वजह से जल निकासी व्यवस्था की बदहाली की पोल खुलने के बावजूद नगर निगम ने सबक नहीं ली। उस समय 11 लोगों की मौत हो गई थी और शुक्रवार दोपहर बाद शुरू हुई बारिश ने एक बार फिर महानगर में कोलकाता नगर निगम की अव्यवस्था की पोल खोल दी है। यहां 30 मिनट में करीब 70 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई और एक बार फिर पूरा शहर डूब गया है। शनिवार तक यही स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार हुई मात्र आधे घंटे की तेज बारिश ने कोलकाता को पूरी तरह जलमग्न कर दिया। उत्तर के सुकिया स्ट्रीट और ठनठनिया से लेकर दक्षिण के अलीपुर और बेहाला तक कई सड़कों पर पानी भर गया। कसबा, तिलजला और तपसिया इलाकों में भी घंटों तक जलजमाव रहा। कोलकाता नगर निगम के अनुसार, दक्षिण कोलकाता के जोधपुर पार्क में दो घंटे में 83 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि बालीगंज में 58 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं, सॉल्टलेक में भी एक घंटे की भारी बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। दोपहर के व्यस्त समय में बारिश होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश और कम दृश्यता के कारण कई जगह वाहन चालकों को दिन में ही हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। नगर निगम के सफाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शाम तक अधिकांश प्रमुख सड़कों से पानी निकाल दिया गया, लेकिन ठनठनिया, मानिकतला, तिलजला और तपसिया के कई हिस्सों में देर रात तक पानी भरा रहा। इसके चलते यातायात की रफ्तार भी धीमी पड़ी और दफ्तर से लौटने वाले लोगों को भारी दिक्कत झेलनी पड़ी। निकासी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बारिश के पानी के साथ प्लास्टिक और थमाकोल के कचरे के बहकर आने से पंपों में बार-बार रुकावट आ रही है। पंप को बंद कर पहले इन वस्तुओं को निकालना पड़ता है, वरना पंप खराब हो सकता है। यही कारण है कि पानी निकालने में समय लग रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मैनहोल, कैचपिट और झांझरी के ढक्कनों को खोलकर लोग अक्सर कचरा और पॉलिथिन फेंक देते हैं, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है। नियमित रूप से इनसे कीचड़ और पॉलिथिन निकालने का काम किया जाता है, फिर भी समस्या बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि पहले जहां ठनठनिया और सुकिया स्ट्रीट में बारिश का पानी उतरने में 72 घंटे लगते थे, अब उसे चार घंटे में निकाल पाना संभव हो गया है। इन तमाम दावों के बावजूद शनिवार सुबह तक कोलकाता में जल जमाव बना हुआ है जो अव्यवस्था को उजागर करने वाला है।

हिमाचल में अगले एक हफ्ते रहेगा साफ मौसम, न्यूनतम पारा सामान्य से नीचे

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को सुबह से धूप खिली है और मौसम खुशनुमा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 17 अक्टूबर तक कहीं भी बारिश या बर्फबारी की संभावना नहीं है। इससे राज्य के लोगों को पिछले दिनों हुई लगातार बारिश और बर्फबारी से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार रात भी पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा और कहीं से वर्षा या बर्फबारी की कोई सूचना नहीं मिली। शनिवार सुबह राजधानी शिमला, मनाली, धर्मशाला, सोलन और ऊना सहित अधिकांश क्षेत्रों में खिली धूप ने ठंड से राहत दिलाई। हालांकि, मंडी और सुंदरनगर में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई।

उधर, प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर और पांगी घाटी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लाहौल स्पीति जिला के मुख्यालय केलांग में न्यूनतम तापमान -1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। लाहौल-स्पीति जिले में भारी बर्फबारी के कारण अब भी जनजीवन सामान्य नहीं हो पाया है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की कुल 134 सड़कों में से 54 अब भी बंद हैं। इन सड़कों को खोलने के लिए बॉर्डर रोड ऑगेनाईजेशन (बीआरओ) के कर्मी लगातार कार्य कर रहे हैं।

अमेरिका में शटडाउन का 10वां दिन, चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका में सरकारी शटडाउन का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। 10वें दिन शुक्रवार को चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस भेजे गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि छंटनी के नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, इस मसले पर कैपिटल हिल में गतिरोध जारी है। सरकार को उबारने के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रस्ताव गुरुवार को सीनेट में आगे नहीं बढ़ पाए। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि वह सरकारी शटडाउन के बीच सदन में कोई अलग विधेयक पारित नहीं कराएंगे। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने माना है कि संघीय एजेंसियों ने सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी (आरआईएफ) के नोटिस भेजे हैं। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज और एएफएल-सीआईओ ने शटडाउन के खिलाफ दायर एक संयुक्त मुकदमे में दावा किया है कि प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा है कि सात संघीय एजेंसियों के 4,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस मिले हैं। संगठन ने कहा कि शुक्रवार शाम तक, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और शिक्षा विभाग ने सबसे अधिक नोटिस भेजे हैं। दावे के अनुसार, निम्नलिखित प्रतिवादी एजेंसियों ने आज से विनियोजन में चूक से संबंधित आरआईएफ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है।

चुनाव अधिकारी के खिलाफ सीएम के बयान के समय मौजूद थे मुख्य सचिव, कार्रवाई के मूड में आयोग

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद अब यह मामला और गहराता जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि सीईओ ह्लभ्रष्टाचार में लिप्तह्व हैं और ह्लअति सक्रियताह्व दिखा रहे हैं। इस बयान के समय राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत भी बैठक में मौजूद थे, जिसे लेकर निर्वाचन आयोग ने असंतोष जताया है। आयोग का मानना है कि मुख्यमंत्री के इस तरह के बयान के दौरान मुख्य सचिव की बैठक में मौजूदगी अनुचित थी और उन्हें तत्काल उस बैठक से बाहर चले जाना चाहिए था। चुनाव आयोग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आयोग ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई है और इसे सेवा शिष्टाचार के विरुद्ध बताया है। इस पूरे घटनाक्रम पर राज्य के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपने पत्र में मुख्यमंत्री के बयान को ह्ललोकतंत्र के लिए खतरनाकह्व बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सीधे तौर पर आयोग को धमकी दे रही हैं। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्य सचिव की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने सीईओ को निशाना बनाया, जो पूरी तरह से अनुचित है। शुभेंदु ने आगे कहा कि अगर मुख्यमंत्री अपने आरोपों को साबित नहीं कर पातीं, तो वे दीपावली के बाद सीईओ कार्यालय के बाहर धरना देंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आयोग के आदेश के बावजूद सभी आरोपित अधिकारियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और केवल दो अधिकारियों को ही निलंबित क्यों किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न राष्ट्रऋषि' नानाजी देशमुख और लोकनायक' जयप्रकाश नारायण को जयंती पर किया नमन

भोपाल : महान सेवाव्रती और लोकतंत्र रक्षक सेनानी, 'राष्ट्रऋषि' भारत रत्न से सम्मानित नानाजी देशमुख और लोकतंत्र रक्षक सेनानी 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण की आज शनिवार को जयंती है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोनों ही महान विभूतियों को स्मरण कर विनम्र नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर नानाजी देशमुख को जयंती पर याद करते हुए लिखा 'भारत रत्न' से सम्मानित, 'राष्ट्रऋषि' श्रद्धेय नानाजी देशमुख जी की जयंती पर कोटिशः नमन करता हूं। ग्राम उत्थान से राष्ट्र उत्थान का उन्होंने जो विजन दिया, वह अत्यंत अनुकरणीय है। उनके आदर्शों से प्रेरित होकर हम 'आत्मनिर्भर-विकसित मध्यप्रदेश' के निर्माण की दिशा में अविराम बढ़ रहे हैं।
एक अन्य संदेश के माध्यम से सीएम डॉ. यादव ने जयप्रकाश नारायण को जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा 'भारत रत्न' से सम्मानित, 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। सत्य, न्याय व जनशक्ति के अमर योद्धा जयप्रकाश जी ने भारतीय लोकतंत्र को नई चेतना और जीवन दिया। आपातकाल के दौरान उनका अदम्य साहस और संघर्ष राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव प्रेरणापुंज रहेगा।

बेटियों के संकल्पों की सिद्धि में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल : आज यानि शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस है। हर साल 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा, समान अवसरों और सशक्तिकरण को समर्पित है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यह दिन तय किया ताकि समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और समानता को बढ़ावा दिया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। हम हर कदम पर प्रदेश की बेटियों के साथ खड़े हैं। बेटियां पढ़ें, आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करने के लिए नित नई उड़ान भरें, ताकि देश के विकास में अपनी सशक्त भूमिका निभा सकें; यही मेरी अभिलाषा है। बेटियों के संकल्पों की सिद्धि में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बीच ठंड का असर शुरू, कई शहरों में लुढ़का पारा, रातें हुई ठंडी

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल रहा है। मौसमी सिस्टम कमजोर पड़ने से बारिश का दौर जरूर थम गया है, लेकिन हवाओं की दिशा बदलने से दिन और रात के तापमान में गिरावट आयी है। प्रदेश में गुलाबी ठंड का असर शुरू हो गया है। राजधानी भोपाल सहित कई क्षेत्रों में तापमान में कमी देखी जा रही है। कई शहरों में पारा 20 डिग्री से नीचे है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन संभाग के शहर सबसे ठंडे हैं। भोपाल, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में भी तापमान खासा लुढ़क गया है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में रातें और ठंडी होंगी, जिससे सर्दी का एहसास बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों में बर्फबारी की वजह से हवा का रुख बदला है। उत्तर से ठंडी हवा आने से मध्य प्रदेश में भी ठंडक बढ़ी है। गुरुवार-शुक्रवार की रात प्रदेश के 22 शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 14.6 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 15.5 डिग्री, भोपाल में 18 डिग्री, उज्जैन में 18.5 डिग्री, ग्वालियर में 18.9 डिग्री और जबलपुर में पारा 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, धार में 16.5 डिग्री, बैतूल में 17.2 डिग्री, गुना में 17.6 डिग्री, खंडवा-शिवपुरी में 17 डिग्री रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि 11 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। 11 से 13 अक्टूबर तक शुष्क मौसम रहेगा, जबकि 14 अक्टूबर को कहीं-कहीं बारिश होने के आसार है। वहीं, मध्य प्रदेश से अभी मानसून पूरी तरह से विदा नहीं हुआ है, कहीं-कहीं हल ?की बारिश का दौर भी चल रहा है। शुक्रवार को बालाघाट के मलाजखंड में करीब एक इंच बारिश हो गई। उमरिया, मंडला, सिवनी में भी मौसम बदला रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन समेत कई जिलों में तेज धूप खिली रही। उधर, शुक्रवार को ही भोपाल, इंदौर समेत 35 से ज्यादा जिलों से मानसून विदा हो गया। सिंगरौली, सीधी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा आदि जिलों से भी अगले एक-दो दिन में मानसून लौट जाएगा।

गोबर से कमाई की रोशनी: रामानुजगंज की महिलाएं बना रहीं इको-फ्रेंडली दीये, दीपावली पर सजेंगे घर-आंगन

एजेंसी

बलरामपुर : छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में इस बार दीपावली की रौनक कुछ अलग ही होने वाली है। जहां एक ओर लोग घरों की सफाई और सजावट में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर रामानुजगंज की महिलाएं गोबर और मिट्टी से ऐसे इको-फ्रेंडली दीये तैयार कर रही हैं, जो न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल हैं बल्कि महिलाओं की आजीविका का उजियारा भी बढ़ा रहे हैं। दशहरा के समापन के बाद अब पूरा क्षेत्र दीपावली की तैयारियों में रंग चुका है। हर ओर रोशनी, उमंग और सजावट का माहौल है। हिंदू धर्म में दीपावली का पर्व कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है, और पंचांग गणना के अनुसार इस वर्ष कार्तिक अमावस्या 20 अक्टूबर 2025 को पड़ेगी। लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर को दोपहर 3:44 बजे से शुरू होकर 21 अक्टूबर शाम 5:54 बजे तक रहेगा। इसी बीच रामानुजगंज स्थित एसआरएलएम (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) केंद्र से जुड़ा प्रगति वन स्व-सहायता समूह की महिलाएं इन दिनों दीपावली की तैयारी को एक नए रूप में सजा रही हैं। यह महिलाएं बीते चार वर्षों से गोबर और मिट्टी से सुंदर, टिकाऊ और इको-फ्रेंडली दीये बना रही हैं। इन दीयों को और आकर्षक बनाने के लिए महिलाएं रंग-बिरंगे कलर और पारंपरिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। मार्केट में इन दीयों की मांग लगातार बढ़ रही है। जैसे ही ये दीये दुकानों में पहुंचते हैं, कुछ ही घंटों में बिक जाते हैं। महिलाओं का कहना है कि इस काम से न सिर्फ उनकी आमदनी बढ़ती है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी मिलता है। एसआरएलएम प्रभारी विनोद केशरी बताते हैं कि, हमारे केंद्र से जुड़ी महिलाएं आमतौर पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का काम करती हैं। लेकिन दीपावली के समय ये अतिरिक्त गतिविधियों में हिस्सा लेकर गोबर और मिट्टी से सुंदर दीये बनाती हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी होती है और यह पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। उन्होंने आगे बताया कि पिछले वर्ष महिलाएं दो रुपये प्रति दीया बेचती थीं, जबकि इस बार महंगाई और कच्चे माल के बढ़ते खर्च को देखते हुए दीयों की कीमत तीन रुपये रखी गई है। रामानुजगंज की इन महिलाओं ने साबित कर दिया है कि यदि लगन और रचनात्मकता हो, तो गोबर जैसी साधारण वस्तु भी कमाई का साधन बन सकती है। इस दीपावली पर जब घर-आंगन में इनके बनाए दीये जलेंगे, तो न सिर्फ रोशनी फैलेगी बल्कि महिलाओं के परिश्रम और आत्मनिर्भरता की चमक भी चारों ओर बिखरेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

सड़क हादसे में युवती की मौत, युवक घायल

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में मेवहाल चौराहे के समीप शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवती की मौत हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गया। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि प्रयागराज के शिवकुटी थाना क्षेत्र के गोविन्दपुर निवासी रितिका पुष्कर 18 वर्ष पुत्री राजेश पुष्कर शुक्रवार की रात अपने पैतृक आवास फाफामऊ से अपने परिचित युवक प्रियम पुत्र राकेश पुष्कर निवासी तेलियरगंज के साथ मोटरसाइकिल से गोविन्दपुर जाने के लिए निकली। उसके बाद वह मेवहाल चौराहे के समीप किसी वाहन की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गयी। हादसे के बाद मोटरसाइकिल सवार युवक व युवती को उपचार के लिए तत्काल स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने रितिका पुष्कर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और उसके साथी युवक प्रियम का उपचार शुरू कर दिया। रितिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर खबर मिलते ही रितिका परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और पुलिस से संपर्क किया। हालांकि अभी घटनास्थल के संबंध में संदेह बना हुआ है। परिवार से तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उपराष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सिताब दियारा में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज बिहार के सारण जिले में स्थित भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी बाबू) के पैतृक गांव सिताब दियारा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उपराष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सिताब दियारा क्षेत्र को उड़ान निषेध ड्रोन क्षेत्र (नो ड्रोन फ्लाई जोन) घोषित किया गया है। यह कदम सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए उठाया गया है। उपराष्ट्रपति सचिवालय के गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, राधाकृष्णन सिताब दियारा में लोकनायक के पैतृक आवास पर जाकर उन्हें नमन करेंगे। साथ ही जयप्रकाश नारायण राष्ट्रीय स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे। वे सिताब दियारा में स्थित प्रभावती पुस्तकालय का भी दौरा करेंगे। यह पुस्तकालय लोकनायक की पत्नी प्रभावती देवी की स्मृति में स्थापित किया गया है। सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि उपराष्ट्रपति का लगभग 45 मिनट का कार्यक्रम निर्धारित है। इस दौरान वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के पैतृक घर और उनके बचपन एवं प्रारंभिक जीवन की स्मृतियों से जुड़े स्थलों का अवलोकन करेंगे। इसके बाद वे प्रभावती देवी की स्मृति में स्थापित पुस्तकालय भी जाएंगे। कार्यक्रम के बाद उपराष्ट्रपति पटना के लिए रवाना होंगे। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल, जिले के वरीय अधिकारी और कई गणमान्य व्यक्तियों के भी उपस्थित रहने की संभावना है। जिलाधिकारी अमन समीर, एसएसपी डॉ. कुमार आशीष और अन्य अधिकारी सिताब दियारा स्थित लाला टोला जाकर तैयारियों की अंतिम समीक्षा कर चुके हैं। सिताब दियारा देश का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक गांव है। सिताब दियारा बिहार के सारण और उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की सीमा पर घाघरा और गंगा नदी के संगम के पास है। सिताब दियारा को संपूर्ण क्रांति के प्रणेता जयप्रकाश नारायण के जन्मस्थान के रूप में विशेष दर्जा प्राप्त है।

पुलिस ने ताला तोड़कर जबरदस्ती घुसने के मामले पर सीएमएचओ और एसडीओ को हाईकोर्ट ने किया तलब

जबलपुर : मप्र हाईकोर्ट की जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए एक डॉक्टर के क्लिनिक में पुलिस द्वारा ताला तोड़कर जबरदस्ती घुसने के मामले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त रुख अपनाया है। दरअसल, भोपाल जेल में निरुद्ध डॉ. अभिजीत पाण्डेय की मां अलका पाण्डेय की ओर से दायर याचिका में आवेदक का कहना है कि पत्नी को आत्महत्या के उकसाने के आरोप में 25 मार्च 2025 से वह न्यायिक अभिरक्षा में है। उक्त मामला शहपुरा थाने में दर्ज था। याचिका में आरोप है कि अभिजीत की पत्नी के मामा प्रकाश चंद्र पाण्डेय भोपाल के डिप्टी कलेक्टर हैं। उन्ही के प्रभाव में आकर ससुराल पक्ष ने दूसरी एफआईआर एमपी नगर थाने में दर्ज करा दी। 3 से 9 अप्रैल के बीच डॉ. अभिजीत के क्लीनिक में प्रशासन की टीम संयुक्त निरीक्षण के नाम पर बिना वारंट के पहुंची और चाबी न होने के नाम पर पीछे के दरवाजे से उन्होंने प्रवेश किया। इतना ही नहीं, एसडीएम के चपरासी की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ जुलाई में तीसरी एफआईआर दर्ज करा दी गई। मामले पर सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक शेखर व अधिवक्ता हिमान्शु मिश्रा हाजिर हुए। सुनवाई के दौरान बेंच ने पाया कि सीएमएचओ डॉ. अश्विनी भनवाल और एक सीताराम शर्मा ताला तोड़कर डॉ. अभिजीत के क्लीनिक में घुसे थे। इस कार्रवाई को जबरदस्ती की श्रेणी में पाते हुए अदालत ने सीएमएचओ और एसडीओ को हाजिर होने के निर्देश दिए। मामले पर अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। जानकारी के अनुसार उक्त प्रकरण में शुक्रवार को

पैसा कमाने का झांसा देकर युवती से साइबर ठगी

गौतम बुद्ध नगर : थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 17 में रहने वाली एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि घर बैठे ऑनलाइन रिव्यू देने पर मोटी रकम कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने उससे 1,62,000 रूपए की ठगी कर ली है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि सेक्टर 17 ए में रहने वाली ऋतिज्ञा श्री पुत्री संजीव शर्मा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 9 सितंबर को वह डिजिटल मार्केटिंग के लिए सोशल मीडिया पर सर्च कर रही थी। इसी बीच उन्हें एक लिंक मिला। उसपर क्लिक करने पर उधर से ऑफर आया कि टेलीग्राम सोशल मीडिया पर जुड़ने से उन्हें घर बैठे कुछ वीडियो लाइक करने पर रिव्यू मिलेंगे। उसके एवज में उन्हें मोटी रकम का फायदा होगा। पीड़ित के अनुसार वह उनके झांसे में आ गई तथा उनके द्वारा दिए गए टारगेट को उन्होंने पूरा किया। उन्हें शुरूआत में कुछ धनराशि दी गई। उसके बाद उनसे 7 हजार रुपए जमा करने के लिए कहा गया। उन्होंने 7 हजार रुपए जमा कर दिया। उधर से कहा गया कि उनसे कुछ गलती हो गई है। इसलिए उनकी रकम को होल्ड कर दिया गया है। इसके बाद उनसे लगातार अलग-अलग खातों में पैसे डलवाए गए। पीड़िता के अनुसार उन्होंने 7 हजार के अलावा एक लाख 55 हजार रुपए और उनके खाते में डाल दिया। आरोपी उनसे और पैसों की मांग करने लगे। तब उन्हें शक हुआ और उन्होंने पैसे देना बंद कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार की रात को युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कल दुमका आयेंगी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

संवाददाता

दुमकाः भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला द्वारा आगामी 12 अक्टूबर को दुमका विधानसभा स्तरीय सम्मेलन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में भारत सरकार की केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विधानसभा स्तर पर संयोजकों की घोषणा की गई है –जरमुंडी विधानसभा के संयोजक विधायक देवेंद्र कुंवर,दुमका विधानसभा के संयोजक अमरेंद्र सिंह मुन्ना, शिकारीपाड़ा विधानसभा के संयोजक परितोष सोरेन तथा जामा विधानसभा के संयोजक सुरेश मुर्मू को नियुक्त किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने बताया कि यह सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण है और संगठन को मजबूत आधार प्रदान करेगा। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री के साथ प्रदेश एवं जिला स्तर के अनेक वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं और आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा।

सासाराम में 2 ट्रकों की भीषण टक्कर, उड़े परखच्चे, झारखंड के ड्राइवर की मौके पर मौत

सासाराम/लातेहारः बिहार के सासाराम में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में झारखंड के एक ट्रक ड्राइवर की जान चली गई जबकि उत्तर प्रदेश के ट्रक चालक की हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना अहले सुबह सासाराम चौसा पथ पर अमवलिया चर्च के समीप की है। मृतक शख्स की पहचान झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ निवासी टुनटुन उर्फ धनेश्वर कुमार के रुप में हुई है जबकि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिला का निवासी अर्जुन यादव घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अर्जुन यादव प्लाईवुड लोड कर सासाराम जा रहे थे। वहीं धनेश्वर कुमार टाटा कंपनी का सरिया लोड कर बक्सर जा रहे थे। इस दौरान सासाराम चौसा पथ पर अमवलिया चर्च के पास दोनों गाड़ियों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि ट्रक गहरे पानी में पलट गया और झारखंड के ड्राईवर धनेश्वर कुमार की मौके पर मौत हो गई और यूपी चालक अर्जुन यादव घायल हो गया और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है।

दुमका के दो नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

नीति आयोग द्वारा यूज केस चैलेंज अवार्ड से सम्मानित हुए उपायुक्त

संवाददाता

दुमकाः जिला प्रशासन के दो अभिनव पहल – दीदी की दुकान एवं 24*7 ऑनलाइन शिक्षा समर्थन – को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित यूज केस चैलेंज में इन दोनों पहलों को उत्कृष्ट नवाचार के रूप में चयनित किया गया। एलबीएसएनएए मसूरी में आयोजित कार्यक्रम में दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा को नीति आयोग की ओर से यूज केस चैलेंज अवार्ड प्रदान किया गया।

दीदी की दुकान पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया है, जिससे न केवल आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी उन्हें प्रेरित किया गया है। वहीं, 24*7 ऑनलाइन शिक्षा समर्थन पहल ने दुमका जिले के छात्रों को डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उपलब्ध्धि दुमका जिले के लिए गर्व का विषय है और यह प्रमाण है कि नवाचार और समर्पण के बल पर प्रशासनिक तंत्र जनहित में नई मिसालें कायम कर सकता है।

दुमका दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 शुरू

संवाददाता

दुमकाः सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के तत्वावधान में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को एसपी। कॉलेज, दुमका के खेल मैदान में हुआ। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता विश्वविद्यालय क्षेत्र के विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों के बीच खेली जा रही है। टूर्नामेंट का उद्घाटन विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ। सुजीत कुमार सोरेन एवं एसपी। कॉलेज, दुमका के प्राचार्य डॉ। केपी। यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिवार के शिक्षकों, खिलाड़ियों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। खेल निदेशक डॉ। सुजीत कुमार सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व देना आवश्यक है। एसपी। कॉलेज, दुमका के प्राचार्य डॉ। केपी। यादव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं में ऊर्जा, एकता और संघर्षशीलता की भावना जगाता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट न केवल खेल कौशल प्रदर्शित करने का मंच है, बल्कि महाविद्यालयों के बीच आपसी सौहार्द और सहयोग को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ी जीत और हार से ऊपर उठकर खेल भावना का परिचय दें। टूर्नामेंट में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों की क्रिकेट टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें एसपी। कॉलेज दुमका, एस आर टी कॉलेज धमरी, ए एस कॉलेज देवघर, मधुपुर कॉलेज मधुपुर, जामताड़ा कॉलेज जामताड़ा, गोड्डा कॉलेज गोड्डा, बी एस के कॉलेज बरहरवा, देवघर कॉलेज देवघर, की टीमें शामिल हैं। पहले दिन के मैच में रोमांच और जोश का भरपूर प्रदर्शन देखने को मिला। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। पहले दिन के उद्घाटन मैच में ए एस कॉलेज, देवघर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी एस आर टी कॉलेज धमरी को हराकर जीत हासिल की। बल्लेबाजों ने दमदार खेल दिखाया जबकि गेंदबाजों ने बेहतरीन लाइन-लेंथ से विपक्षी टीम को सीमित रन पर रोकने में सफलता पाई। मैदान पर छात्रों और दर्शकों की भारी भीड़ उपस्थित रही, जिन्होंने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट के दूसरे दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को विश्वविद्यालय की ओर से ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, गेंदबाज और प्लेयर को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी टीमों के खिलाड़ियों के ठहराव, नाश्ते एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की है। एस।पी। कॉलेज के खेल पदाधिकारी प्रो सुनील बेसरा ने बताया कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन और सहयोग की भावना को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पहले से पूरी कर ली थीं। खेल शिक्षक डॉ देवाशीष मंडल ने बताया कि सभी मैच विश्वविद्यालय खेल नियमों के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं और निर्णायकों का पैनल विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किया गया है। पहले दिन के खेल के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्राचार्य, खेल निदेशक, आयोजन समिति, निर्णायकों, खिलाड़ियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से यह टूनार्मेंट संभव हो सका। टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण 5 फीट की ट्रॉफी तथा मैच कॉमेंट्री रही। मैच कमेंट्री डॉ यदुवंश यादव तथा प्रो सुनील बेसरा द्वारा की गयी। यह टूर्नामेंट न केवल विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना को भी प्रोत्साहित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है, ताकि छात्र समुदाय शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर सके।

गोइलकेरा-टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना का हुआ मॉकड्रिल

हूटर बजते ही मची अफरा-तफरी, फंसे यात्रियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया

जमशेदपुरः ट्रेन दुर्घटना जैसी आपदा से निपटने की तैयारी को लेकर चक्रधरपुर रेल मंडल की ओर से शुक्रवार को स्टेशन यार्ड में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। गोइलकेरा-टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने का परिदृश्य बनाकर रेलकर्मियों ने राहत व बचाव कार्यों का अभ्यास किया। सुबह 10:26 बजे जैसे ही पांच हूटर बजे, पूरे मंडल में अफरा-तफरी मच गयी। रेलकर्मी व अधिकारी तत्काल घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। स्टेशन पर उद्घोषणा की गयी कि गोइलकेरा-टाटानगर स्पेशल एक्सप्रेस दूसरी ट्रेन से टकरा गयी है। सूचना मिलते ही सभी विभाग सक्रिय हो गये।

घटनास्थल पर राहत व बचाव दल ने संभाला मोर्चा : डीआरएम तरुण हुरिया, अपर मंडल रेल प्रबंधक विनय कुजूर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसके मिश्रा, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी) चंद्रशेखर, आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी शंकर कुट्टी, एनडीआरएफ-9 बटालियन के विनय कुमार, टीम कमांडर सरोज कुमार, संचार में सुजीत कुमार, टाटानगर रेल सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार समेत 500 से अधिक रेलकर्मी व सुरक्षाकर्मी एवं राहत व बचाव दल के सदस्य राहत कार्य में जुट गये।।घटनास्थल पर एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी), क्रेन, पुलिस और चिकित्सा दल ने मोर्चा संभाला। गैस कटर से एसी कोच की खिड़की काटकर यात्रियों (डमी) को निकाला गया। करीब एक घंटे में एसी कोच से 64 और स्लीपर से 68 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सिविल डिफेंस के जवानों ने स्ट्रेचर बनाकर घायलों को चिकित्सा शिविर तक पहुंचाया। आग पर नियंत्रण के लिए फायर यूनिट ने प्रदर्शन किया।

झारखंड विस अनुसूचित जाति ,जनजाति अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति की आयोजित बैठक संपन्न

दुमकाः शुक्रवार को स्थानीय परिसदन में झारखंड विधानसभा अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति की बैठक आयोजित हुई। सभापति सह महेशपुर के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक स्टीफन मरांडी की अध्यक्षता में समिति के सदस्य सुरेश कुमार बैठा एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक लुईस मरांडी की उपस्थिति में बैठक हुई। बैठक में वन, नगर निगम, आपूर्ति, झारखण्ड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, परिवहन, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, उद्योग केन्द्र, उत्पाद, खनन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भूमि-संरक्षण, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, कौशल विकास, खेल, पर्यटन, श्रम, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल 1 एवं 2, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल (यान्त्रिक), पथ प्रमण्डल, भवन प्रमण्डल, लघु सिंचाई, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, नगर परिषद सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभ, एवं कार्यान्वयन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने और पात्र लाभुकों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अफीम के खेती के खिलाफ अभियान लोगों को किया जा रहा जागरूक

खूंटीः जिले में गत वर्ष अफीम की खेती को लेकर हुई कार्रवाई के बाद प्रशासन इस वर्ष पहले से ही ग्रामीणों तक पहुंच बनाकर उन लोगों को अफीम की खेती के खिलाफ जागरूक कर रही है। इस अवैध खेती के खिलाफ प्रशासन ने मुहिम शुरू कर दी है। जन जागरूकता अभियान के बाद भी अगर ग्रामीण अफीम की खेती करते हैं तो इस वर्ष भी अफीम उगाने वालों को जेल भैजा जाएगा।

अफीम की खेती के खिलाफ अभियानः जिले में वर्ष 2024-25 में अफीम की खेती करने वालों के विरुद्ध बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई थी। 85 एफआईआर दर्ज कर 105 लोगों को सलाखों के पीछे भेजा गया था। यही नहीं 14306 एकड़ भूमि में लगी फसलों को नष्ट करते हुए दस हजार से अधिक जीआर पर एफआईआर दर्ज की गई। इस बार जिले में अफीम की खेती कोई न करे, इस लक्ष्य को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस लगातार काम कर रही है। अफीम की खेती के खिलाफ संभावित इलाकों में पुलिस विभाग के द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है। खासकर उन इलाकों में जागरुकता अभियान तेजी से चलाया जा रहा है, जिन इलाकों में कभी अफीम की खेती हुई थी।

डीसी आर रॉनिटा के निर्देशन में बनी टीम जिले के विभिन्न प्रखंड क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को अफीम के दुष्प्रभाव सहित कानूनी जानकरी दे रही है। अंचलाधिकारी से लेकर डीएसपी और थाना प्रभारी, चौक चौराहों से लेकर खेल मैदानों तक पहुंचकर ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि खेत ऐसा साधन है जो कि आपस में लोगों को जोड़ता है। यह जुड़ाव बना रहे इसके लिए लोगों को नशे की खेती नहीं बल्कि ऐसी फसल लगाना चाहिए जिससे पूरे समाज का जुड़ाव बना रहे।

पानी अनमोल है, इसे अफीम की खेती के लिए बर्बाद न करें: डीएसपी वरुण रजक : मुरहू सीओ शंकर विश्वकर्मा ने लोगों को अफीम के दुष्प्रभाव और कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी। वहीं डीएसपी वरुण रजक भी गांव-गांव तक जाकर लोगों से उनकी समस्या सुनकर उनको समाधान करने का आश्वासन दे रहे हैं। वे लोगों को यह भी बता रहे हैं कि जिस पानी पर लोग रह रहे हैं, उसका इस्तेमाल अफीम की सिंचाई के लिए किया जा रहा है। आने वाले दिनों में वो सारा पानी खत्म हो जाएगा उसके बाद क्या करोगे। डीएसपी वरुण रजक एक खेल मैदान में खिलाड़ियों सहित पहुंचे। आमजनों को पानी की महत्ता के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि अफीम की खेती से दूर रहने वाले किसान आज खुशहाल हैं। जो किसान यह सोचकर अफीम उगा रहे हैं कि वो कभी गिरफ्तार नहीं होंगे, तो ऐसा नहीं है, कल वो भी पकड़े जाएंगे। उन्होंने बताया कि अफीम तस्कर को अफीम से मतलब है, वो आज खेती कराएगा और चला जाएगा। इसलिए वैसे लोगों से बचें और गांव समाज का विकास कैसे हो इस पर कड़ी मेहनत करें।

अफीम की पैदावार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगीः एसडीओ दीपेश कुमारी ने बताया कि अफीम के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश के बाद क्षेत्र में यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोजाना हर गांव में लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि क्षेत्र में लोग अफीम छोड़कर वैकल्पिक खेती को बढ़ावा दें। साथ ही तस्करो को भी चिन्हित किया जा रहा है।

वन देवी के सामने शिकारियों ने डाले हथियार, गुलेल और फंदा भी किया जमा

पलामूः जिले में वन्य जीव के सुरक्षा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। पलामू टाइगर रिजर्व के दक्षिणी क्षेत्र में वन देवी के समक्ष शिकारियों ने 23 हथियार सरेंडर किया है। इस दौरान शिकारियों ने दर्जनों गुलेल और वन्य जीवों के शिकार में इस्तेमाल होने वाले फंदे को भी जमा किया है। दरअसल, वन्य जीव सप्ताह को लेकर ग्रामीणों के बीच जागरुकता अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने वन देवी की मूर्ति की स्थापना किया और पूजा अर्चना भी शुरू की थी। पलामू टाइगर रिजर्व के प्रबंधन की तरफ से ग्रामीणों से अपील की गई थी कि शिकार में इस्तेमाल होने वाले हथियार को वह जमा कर दें, हथियार जमा करने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी। इसी आश्वासन के बाद पलामू टाइगर दक्षिणी क्षेत्र गारू में सभी ने अपने हथियार वन देवी के समक्ष सरेंडर कर दिया है। इस दौरान ग्रामीणों ने वन्य जीव के शिकार में इस्तेमाल होने वाले नौ फंदे एवं दर्जनों गुलेल भी जमा किये हैं।

वन देवी के समक्ष वन्य जीव की सुरक्षा को लेकर ली शपथ : वन्य जीव सप्ताह को लेकर कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में वन देवी की प्रतिमा भी स्थापित की गई। वन्य जीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाता है। 10 अक्टूबर को वन देवी के समक्ष सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जमा हुए और वन्यजीवों के सुरक्षा को लेकर शपथ भी ली।

दरअसल पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन वन्य जीव को सुरक्षा को लेकर एक सामाजिक जुड़ाव की शुरूआत की है। वन्य जीव की सुरक्षा में ग्रामीणों की भागीदारी भी निकल कर सामने आई है। पलामू टाइगर रिजर्व के 35 गांव के 80 प्रतिशत आबादी ने वन्य जीव एवं संपदा की रक्षा को लेकर शपथ ली है। इस दौरान ग्रामीणों ने पेड़ नहीं काटने, शिकार नहीं करने, गुलेल से पक्षी नहीं मारने की भी शपथ ली। हाल के दिनों में पलामू टाइगर रिजर्व की इलाके में बाघ एवं अन्य वन्य जीव का शिकार करने वाले अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने इस दौरान डेढ़ दर्जन से अधिक हथियार बरामद किए हैं और 10 से अधिक शिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पलामू टाइगर रिजर्व कई गिरोहों को चिन्हित किया है और उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई किया।

राज्य स्तरीय स्विमिंग प्रतियोगिता में क्रेडो के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

धनबादः रांची के वीरबुधु भगत एक्वाटिक स्टेडियम में नौ व 10 अक्तूबर को आयोजित द्वितीय झारखंड स्टेट इंटर स्कूल स्विमिंग चैंपियनशिप में क्रेडो वर्ल्ड स्कूल, धनबाद के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-17 ब्वॉयज में कक्षा 11 के अवि अक्षज प्रेमित ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक व 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीता। नवम के आख्यान वर्मा ने अंडर-17 में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत पदक व 50 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक, अंडर-17 गर्ल्स में 11वीं की दिया सेन ने 100 मीटर और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में स्वर्ण पदक तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत, अंडर-14 बालक में सप्तम के अंकित राज ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में स्वर्ण पदक और 50 मीटर बैकस्ट्रोक में कांस्य पदक जीता। स्विमिंग कोच रीमा सिंह के मार्गदर्शन में छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। विद्यालय के निदेशक हर्षित अग्रवाल व प्रधानाचार्या शर्मिला सिन्हा ने विजेता छात्रों को बधाई दी है। जिला स्विमिंग एसोसिएशन के जॉइन सेक्रेटरी पप्पू सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान कल से

देवघरः जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेशानुसार उपविकास आयुक्त पियूष सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन व संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में इसमें आगामी 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तैयारियों की समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आगे उन्होंने कहा कि इस अभियान में 0 से 5 वर्ष तक का एक भी बच्चा न छूटे, इसके लिए बेहतर माइक्रो प्लानिंग व कार्य सम्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय और सहयोग के साथ कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। सभी प्रखंडों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा क्रम में उपविकास आयुक्त ने आमजनों को अभियान की तिथि, बूथ की जानकारी देने के लिए व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, सूचना व जनसंपर्क विभाग, जन प्रतिनिधियों, रोटरी क्लब, रेडक्रॉस सोसायटी, आंगनबाड़ी कर्मियों को अभियान के संबंध में अवगत कराने एवं अपने-अपने पोषक क्षेत्र के लोगों को बूथ पर आने के लिए प्रेरित करने को कहा।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपविकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लेप्रोसी केस डिटेक्शन कैंपेन (एलसीडीसी) को लेकर आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी कि दिनांक-10 I11 I2025 से 26 I11 I2025 तक स्पर्श कुष्ठ जागरूक्ता अभियान को वृहत रूप से जिला स्तर से लेकर पंचयात स्तर तक चलाया जाना हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि अभियान से जुड़ी सारी तैयारियां ससमय दुरूस्त कर लें। बैठक के दौरान उपविकास आयुक्त ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निदेशित किया कि स्पर्श कुष्ठ उन्मुलन हेतु ग्राम स्तर, पंचयात स्तर पर आम सभा का आयोजन करवाया जाय ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी कुष्ठ के भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया जा सके। आगे अभियान के सफल क्रियान्वन को लेकर उपविकास आयुक्त ने सिविल सर्जन को कुष्ट जागरूक्ता अभियान के दौरान वैसे लोग जिनका उचित इलाज हो चुका एव कुष्ट से मुक्त हो चुके है वैसे लोगो के सक्सेस स्टोरी से लोगो को अवगत करायें, ताकि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके। बैठक में सिविल सर्जन डॉ। युगल किशोर चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, डब्लूएचओ के प्रतिनिधि, चिकित्सकों की टीम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, डीपीएम एनएचएम, सभी प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक आदि संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।